

जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

राजस्थान समेत कई राज्यों में मानसून कमजोर

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और बाढ़

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई, जिसका पानी कई होटलों में घुस गया। कई होटल की इमारतों और रिहायशी मकानों को भी नुकसान पहुंचा। जिले में बीते 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 42.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने पूरे जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से लेकर छिटपुट हल्की बारिश और आंधी-तूफान का अनुमान लगाया है। साथ ही, कुछ अलग-अलग इलाकों में थोड़ी देर के लिए तेज बारिश होने के आसार हैं। विभाग के अनुसार, 13 से 17 जुलाई के बीच मौसम आम तौर पर गर्म और उमस भरा रह सकता है। वहीं, 18 से 20 जुलाई के बीच केंद्र शासित प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और आंधी-तूफान का एक और दौर आने का भी अनुमान लगाया है।



हे देवराज, भेदभाव तो मत करो.. इधर सूखा पड़ा है, उधर बादल फाड़कर दे रहे हो!

D B D

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्यांसिबिलिटी है

कहीं बारिश बनी आफत, कहीं थमा मानसून

मौसम की आंख-मिचौली

एजेंसी | श्रीनगर/मुंबई

देश के कई हिस्सों में मानसून का असर अलग-अलग रूप में देखने को मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के कुछ इलाकों में भारी बारिश व बाढ़ जैसी स्थिति ने जनजीवन प्रभावित किया है, जबकि राजस्थान समेत कई इलाकों में मानसून कमजोर पड़ने से मौसम शुष्क बना हुआ है। देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। इसका कारण पाकिस्तान की ओर से आ रही सूखी हवाएं बताई जा रही हैं। मौसम की वेबसाइट ऑल इंडिया वैदर की रिपोर्ट के अनुसार ये सूखी हवाएं अरब सागर, मध्य भारत और दक्षिण भारत तक फैल गई हैं। इनकी वजह से राजस्थान, दिल्ली-NCR, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42C दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रशांत महासागर में 3 नए सिस्टम बन रहे हैं, अगर इनमें से एक भी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया तो मानसून फिर से एक्टिव हो सकता है।

जादू-टोना, गौ-मूत्र पिलाया, बाल नोचे...

राउत पर 'टॉर्चर' का आरोप

काला जादू करने समेत लगाए कई गंभीर आरोप

देवेंद्रनाथ जैसवार | ठाणे

महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पूर्व सांसद विनायक राउत, उनके बेटे और पांच अन्य लोगों के खिलाफ ठाणे के कापूरबावड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत उनकी 38 वर्षीय बहू गिरिजा राउत ने दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शारीरिक, मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना का आरोप

गिरिजा राउत का आरोप है कि दिसंबर 2017 में गीतेश राउत से शादी के बाद उन्हें लगातार शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उनका दावा है कि शादी से पहले पति की चिकित्सकीय स्थिति की जानकारी उनसे छिपाई गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, केन्या और थाईलैंड की यात्राओं के दौरान भी उनके साथ मारपीट की गई।

शिवसेना यूबीटी के पूर्व सांसद विनायक राउत की बहू ने पूरे परिवार पर कराई एफआईआर



कड़ी धाराओं और काला जादू विरोधी कानून के तहत मामला

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ महाराष्ट्र अंधविश्वास एवं काला जादू विरोधी कानून के तहत भी मामला दर्ज किया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि उचित चिकित्सा उपचार के बजाय उन्हें कृत्रिम गर्भाधान (होम इनसेमिनेशन) की सलाह दी गई।

विनायक राउत ने आरोपों को बताया निराधार

पूर्व सांसद विनायक राउत ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उनका परिवार तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास में विश्वास नहीं करता। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला तलाक विवाद और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश का हिस्सा है। राउत का दावा है कि बहू ने पहले तीन बीएचके प्लेट, कार और पांच करोड़ रुपये तथा बाद में पांच लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता और 12 करोड़ रुपये की मांग की थी।



पुलिस कर रही है जांच

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी पक्ष के आरोप अदालत में सिद्ध नहीं हुए हैं।

महाराष्ट्र में पोल्ट्री फार्म में बाढ़ से 800 मुर्गियों की मौत

महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश का असर रायगढ़ जिले के एक पोल्ट्री फार्म पर भी पड़ा, जहां बारिश का पानी भर जाने से करीब 800 पक्षियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इस घटना से पोल्ट्री फार्म के मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना पतनस इलाके के मौजे रावलजे गांव में हुई, जहां भारी बारिश के बाद पास की नदी का जलस्तर बढ़ने से फार्म में पानी भर गया। बारिश का पानी पोल्ट्री शेड में घुस गया, जिससे लगभग 800 मुर्गियों की मौत हो गई और बड़ी मात्रा में रखा मुर्गियों का दाना भी खराब हो गया।

उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड, 126 सड़कें बंद

रविवार को उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ, जिससे दो नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हो गईं। वहीं, देहरादून में दीवार गिरने से एक महिला घायल हो गई और सात परिवारों को अपना घर खाली करना पड़ा। यमुनोत्री हाईवे पर मरम्मत का काम चल रहा है, जो स्थानाचारी में लैंडस्लाइड की वजह से पिछले तीन दिनों से बंद है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (SEOC) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश की वजह से हुए लैंडस्लाइड की वजह से पूरे राज्य में सड़क संपर्क टूट गया है, जिससे अभी कुल 126 सड़कें बंद हैं।

पंजाब में बारिश का प्रभाव

वहीं, पंजाब के अमृतसर, गुरदासपुर और जालंधर में तेज बारिश के चलते चंडीगढ़ की सुखना झील का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि एक दिन और भारी बारिश होती है, तो अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए झील के फ्लड गेट खोलने पड़ सकते हैं।

प.बंगाल में बारिश की चेतावनी

मानसून के कारण पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में 14 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बांकुरा, वीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्दमान, नदिया तथा मुर्शिदाबाद जिलों में 14 जुलाई तक भारी बारिश हो सकती है। वहीं, क्षेत्र के अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। विभाग के अनुसार, राज्य में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों में कुचबिहार जिले के पुडीबाड़ी में सबसे अधिक 89 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

दिवशा शर्मा प्रकरण

जिम्मास्टिक बेल्ट पर मिले त्वचा के अवशेष

एम्स दिल्ली ने 10 जुलाई को सीबीआई को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व मॉडल और अभिनेत्री दिवशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में एम्स, नई दिल्ली की फोरेंसिक रिपोर्ट में महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, घटना में इस्तेमाल की गई जिम्मास्टिक्स बेल्ट पर पीड़िता के त्वचा के अवशेष (स्किन टिश्यू) मिले हैं। एम्स ने 10 जुलाई को यह रिपोर्ट केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है, जिसकी एजेंसी अब विस्तृत जांच कर रही है।



दूसरे पोस्टमार्टम में सामने आए अहम साक्ष्य

एम्स दिल्ली में 24 मई को दिवशा शर्मा का दूसरा पोस्टमार्टम किया गया था। इससे पहले एम्स भोपाल में हुए पहले पोस्टमार्टम में मौत के कारण को लेकर कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पाया था। अधिकारियों के अनुसार, पहली जांच के दौरान गला घोटने में इस्तेमाल की गई जिम्मास्टिक्स बेल्ट मेडिकल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई थी। बाद में पुलिस ने बेल्ट जब्त कर उसे एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों को जांच के लिए सौंपा।

बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू, चोटों से मिला मेल

सूत्रों के अनुसार, प्रयोगशाला और हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच में बेल्ट पर मिले त्वचा के अवशेष दूसरे पोस्टमार्टम में पाए गए गला घोटने के निशानों और चोटों के पैटर्न से मेल खाते हैं। इसे जांच में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य माना जा रहा है एम्स दिल्ली के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि मेडिकल बोर्ड ने किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले करीब एक महीने तक वैज्ञानिक परीक्षण किए। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रों एवं फोरेंसिक मानकों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार की गई।

ब्रीफ न्यूज़

हॉस्टल का खाना खाने के बाद 40 छात्र बीमार

नंदुरबार। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में समाज कल्याण विभाग के छात्रावास में रहने वाले 40 छात्र खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए, जिनमें से 25 को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी मिताली सेठी ने बताया कि सभी प्रभावित बच्चे हालात ठीक हैं। जिलाधिकारी ने अस्पताल का दौरा कर छात्रों की हालत का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि छात्रों को फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्राइटिस की समस्या थी। अब अस्पताल में भर्ती ज्यादातर छात्र ठीक हो गए हैं और कुछ समय तक निगरानी में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि बीमारी के कारण पता लगाने के लिए खाने और उल्टी के नमूने लेब में जांच के लिए लिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नहीं रहें कतर के फादर, भारत ने राष्ट्रीय शोक का एलान

नई दिल्ली। भारत ने कतर फादर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। शेख हमद का रविवार सुबह 74 साल की उम्र में निधन हो गया। विदेश मंत्रालय (एमएफ) ने रविवार को कहा कि शोक के दिन पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। जहां इस नियमित रूप से फहराया जाता है और उस दिन कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। शेख हमद ने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। उन्हें देश के आधुनिक विकास का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है।

पर्यावरण अनुकूल होंगे गणपति बप्पा

- गणेशोत्सव के लिए मनपा का एक करोड़ का मेगा प्लान
- मूर्तिकारों को मुफ्त मिलेंगे 25,400 लीटर इको-फ्रेंडली रंग, पिछले वर्ष से दोगुनी आपूर्ति

मोहम्मद सुकीम शेख | मुंबई

गणेशोत्सव-2026 को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने एक करोड़ रुपये की विशेष योजना तैयार की है। इसके तहत गणेश प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकारों को 25,400 लीटर पर्यावरण अनुकूल रंग नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए मनपा करीब एक करोड़ रुपये खर्च करेगी। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रंगों की आपूर्ति दोगुनी से भी अधिक बढ़ाई गई है।



अगले महीने से शुरू होगा रंगों का वितरण

मनपा के प्रदूषण मुक्त गणेशोत्सव अभियान के तहत पिछले वर्ष 10,800 लीटर पर्यावरण अनुकूल रंग मूर्तिकारों को मुफ्त वितरित किए गए थे। इस फल को मिली सफलता के बाद इस वर्ष 25,400 लीटर रंग खरीदने का निर्णय लिया गया है। रंगों की आपूर्ति के लिए 'एकता एंटरप्राइजेज' का चयन किया गया है और खरीद प्रक्रिया पूरी होते ही अगले महीने से वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

हानिकारक रंगों से पर्यावरण को होता है नुकसान

मुंबई में गणेश प्रतिमाएं शाहू मिट्टी, कागज के गूदे, धातु और प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनाई जाती हैं। मनपा हर वर्ष शाहू मिट्टी मुफ्त उपलब्ध कराती है, लेकिन पारंपरिक रंगों में सीसा, कैडमियम, क्रोमियम और पारा जैसी भारी धातुएं होती हैं। प्रतिमा विसर्जन के बाद ये रसायन जल में मिलकर समुद्री जीवों और जलीय पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं।

'स्वप्नपूर्ति' और वाल्मीकि कॉलोनी का भूमिपूजन

मुंबई/नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार सफाई कर्मचारियों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महानगरों की बढ़ती आवश्यकताओं और चुनौतियों को देखते हुए लाड-पागे समिति की सिफारिशों के आधार पर जल्द ही लगभग 500 लोगों को नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नागपुर महानगरपालिका की ओर से महर्षि सुदर्शन वाल्मीकि कॉलोनी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के अंतर्गत विकसित की जाने वाली 'स्वप्नपूर्ति' आवास परियोजना के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

स्कूल बंद आंदोलन में शामिल 8,629 शिक्षकों पर कार्रवाई

महाराष्ट्र सरकार ने एक दिन का वेतन काटने का लिया फैसला

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने 9 जुलाई को स्कूल बंद आंदोलन में शामिल 8,629 शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, सरकारी निर्देशों के बावजूद आंदोलन में शामिल होने से कई जिलों में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई।

सरकारी निर्देश के बावजूद आंदोलन में हुए शामिल

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संचालनालय के अनुसार, कुछ शिक्षक संगठनों ने लंबित मांगों को लेकर 9 जुलाई को स्कूल बंद आंदोलन किया था। सरकार ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी परिस्थिति में विद्यालय बंद नहीं होने चाहिए और छात्रों की नियमित पढ़ाई जारी रहनी चाहिए।



जिलों से रिपोर्ट के बाद हुई कार्रवाई

शिक्षकों के आंदोलन के कारण कई स्थानों पर शिक्षण कार्य प्रभावित होने के बाद विभाग ने मंडल और जिला स्तर से रिपोर्ट मांगी। जांच में पता चला कि राज्यभर में कुल 8,629 शिक्षक आंदोलन में शामिल हुए थे। शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटने का निर्णय लिया गया।

पढ़ाई प्रभावित होने पर सख्त रुख

शिक्षा विभाग ने दोहराया है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसकी जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि आंदोलन के कारण विद्यालय बंद हुए या शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महादेव सट्टा एप मामला

श्रीलंका में 147 भारतीय युवक हाउस अरेस्ट

एजेंसी | रायपुर

महादेव एप आनलाइन सट्टा नेटकर्स के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई तेज हो गई है। चर्चा है कि श्रीलंका पुलिस ने आनलाइन सट्टा संचालन से जुड़े एक ठिकाने पर छापा मारकर 147 भारतीय युवकों को हाउस अरेस्ट किया है। सभी के पासपोर्ट और वीजा जप्त कर पृथक्छा की जा रही है। हालांकि इस कार्रवाई का अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रायपुर पुलिस कमिश्नर सजीव शुक्ला और दुर्ग एसएसपी विजय



अग्रवाल ने ऐसे किसी भी कार्रवाई के बारे में जानकारी होने से इंकार किया है। उनका कहना है कि इस बारे में जानकारी ले रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, श्रीलंका में हाउस अरेस्ट किए गए अधिकांश युवक छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव के हैं।



सिर्फ दिन में नियमित रूप से धूप या अखंड प्राकृतिक रोशनी के संपर्क में रहकर लोग अपनी रात की नींद में बड़ा सुधार कर सकते हैं।

-अलुप डिडिकोव्, मुख्य शोधकर्ता

शोध की प्रक्रिया

लैब में किए गए रिसर्च से पहले ही यह बात साबित हो चुकी है कि रोशनी नींद के समय को बदल सकती है और नींद के अलग-अलग चरणों के संतुलन को प्रभावित करती है। नींद हर सुबह शरीर की अंदरूनी घड़ी को रीसेट करती है और यह तय करने में मदद करती है कि हम कब थकान महसूस करेंगे और कितनी गहरी नींद सोएंगे। लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में इसके असर पर अध्ययन अबतक सामने नहीं आया था। इसके लिए वैज्ञानिकों ने 89 वयस्कों पर 500 दिनों तक शोध किया। उन्हें पहननेवाली डिवाइस दी गई, जिसमें सेंसर लगा था यह सेंसर बाँड़ी क्लॉक पर असर डालनेवाले रोशनी की पहचान कर सकती थी। साथ ही उन्होंने स्लीप ट्रैकर भी पहना और नींद की डायरी भरी। 500 दिनों तक किए गए अध्ययन में कई चौकानेवाले तथ्य सामने आए।

री-डेवलेपमेंट के दौरान सात मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण पश्चिम के घोलपनगर क्षेत्र में रविवार को री-डेवलेपमेंट के लिए तोड़ी जा रही सात मंजिला 'विनायक दर्शन' इमारत का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें इमारत का हिस्सा भरभराकर गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, री-डेवलेपमेंट परियोजना के तहत इमारत को पहले ही खाली करा लिया गया था और पिछले कुछ दिनों से उसका विध्वंस कार्य चल रहा था। स्थानीय नागरिकों का



आरोप है कि इमारत तोड़ने के दौरान पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। उनका कहना है कि न तो आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित किया गया था और न ही संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद थे। इमारत का हिस्सा

गिरते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे के समय वहां कोई राहगीर या स्थानीय निवासी मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

केडीएमसी और पुलिस ने शुरु की जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। केडीएमसी अधिकारियों ने बताया कि इमारत री-डेवलेपमेंट परियोजना के तहत तोड़ी जा रही थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है और यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी या किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा मानकों पर फिर छिड़ी बहस

इस घटना के बाद शहर में चल रहे री-डेवलेपमेंट परियोजनाओं के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन और प्रशासनिक निगरानी को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विध्वंस कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सफाई के लिए बुलाई गई युवती ने चुराया साढ़े तीन लाख का मंगलसूत्र

पुलिस ने एक घंटे में किया बरामद



डीबीडी संवाददाता | ठाणे

स्नैबिट ऐप के माध्यम से घर की सफाई के लिए बुलाई गई एक युवती पर 58 वर्षीय महिला का साढ़े तीन लाख रुपए मूल्य का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने का आरोप लगा है। शिकायत के बाद राबोडी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवती को हिरासत में लिया और चोरी किया गया मंगलसूत्र बरामद कर लिया।

राबोडी क्षेत्र निवासी अनुजा अजीत सावंत ने पुलिस को बताया कि उन्होंने स्नैबिट ऐप के जरिए घर की सफाई के लिए एक युवती को बुलाया था। सफाई के दौरान उन्होंने अपना लगभग ढाई तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र उतारकर रख दिया था। सफाई पूरी होने के बाद मंगलसूत्र नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने राबोडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई से किया इनकार

पुलिस के अनुसार, आरोपी युवती की कम उम्र और उसके भविष्य को देखते हुए शिकायतकर्ता महिला ने उसके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि पुलिस ने चोरी का सामान बरामद कर शिकायतकर्ता को सौंप दिया।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने स्नैबिट ऐप से बुकिंग का विवरण और संबंधित युवती का मोबाइल नंबर प्राप्त किया। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने मंगलसूत्र चोरी करने की बात स्वीकार कर ली, जिसके बाद पुलिस ने चोरी किया गया मंगलसूत्र बरामद कर लिया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर छोटे परिवार वाले पांच कामगार दंपतियों का सम्मान

अनिल मिश्रा | बदलापुर

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 11 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र कामगार कल्याण मंडल के ठाणे समूह के अंतर्गत कामगार कल्याण केंद्र, कुलगांव (बदलापुर) में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 'छोटा परिवार, सुखी परिवार' की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए परिवार नियोजन अपनाने वाले पांच कामगार दंपतियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एक संतान अथवा दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले पांच कामगार दंपतियों को शाल, श्रीफल, सौभाग्य सामग्री, तुलसी का पौधा, सम्मान-पत्र तथा 5,000 रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बदलापुर नगर परिषद की चिकित्सा अधिकारी डॉ. केतकी गायकवाड ने परिवार नियोजन के महत्व और चिकित्सा संसाधनों के बेहतर



उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने आशा सेविकाओं के माध्यम से प्रत्येक दंपति तक पहुंचकर परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ठाणे जिला ग्रामीण कामगार सेल के अध्यक्ष प्रमोद बोरहाडे ने कहा कि परिवार को सुखी और समृद्ध बनाए रखने के लिए जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण बड़े परिवार का पालन-पोषण करना कठिन होता जा रहा है।

इन दंपतियों का हुआ सम्मान

सम्मानित दंपतियों में अनिल एवं जयश्री उके (माझगांव डॉक), कल्पेश एवं सपना पाटील (भारत बिजली), विजय एवं विनिता मुसळे (सक्षम फैसिलिटी लिमिटेड), महेश एवं प्राजवता कदम (बृह-मुंबई व ठाणे जिला सुरक्षा रक्षक मंडल) तथा अमोल एवं सुवर्णा साठवे (सेंचुरी रेयॉन लिमिटेड, शहाड) शामिल रहे।

आईएमए और चिकित्सा संगठनों ने रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों पर हुए हमले की घटना के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) डोंबिवली, शास्त्रीनगर अस्पताल, धारापा और नीमा के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों से अवगत कराया। घटना में अस्पतालों में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने, स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने तथा दोगैयों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया



'हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं'

रविंद्र चव्हाण ने कहा कि डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा-महायुति सरकार कानून को अपने हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सरकार आवश्यक उपायों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। बैठक में आईएमए के वरिष्ठ सदस्य डॉ. मोशे पटे, आईएमए डोंबिवली की अध्यक्ष डॉ. सुचित्रा कामथ, सचिव डॉ. नयना चौधरी, शास्त्रीनगर अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सादिया, डॉ. अंबेकर, डॉ. श्रुति पट्टाकी सहित अस्पताल के अन्य डॉक्टर तथा धारापा, नीमा और अन्य चिकित्सा संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कल्याण गायन समाज का शताब्दी समारोह संपन्न

डीजीपी सदानंद दाते सहित दिग्गज हस्तियां रहीं मौजूद

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

शहर की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्था कल्याण गायन समाज के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को अत्रे रंगमंदिर में भव्य शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 1926 में स्थापित इस संस्था ने अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक यात्रा के 100 वर्ष पूरे किए हैं। समारोह में महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सदानंद दाते मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में पद्मभूषण पंडित हरिवंसाद चौरसिया, कल्याण गायन समाज के अध्यक्ष अशोक केळकर, कार्याध्यक्ष मिलिंद जोशी सहित संस्था के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध बांसुरी वादक, प्रसिद्ध तबला वादक, वरिष्ठ संगीत प्रेमी, कलाकार तथा सांस्कृतिक जगत की अनेक प्रमुख



हस्तियां उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि सदानंद दाते ने अपने संबोधन में कहा कि कल्याण गायन समाज ने एक सदी तक भारतीय संगीत और संस्कृति की परंपरा को जीवंत बनाए रखने का उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने संस्था के योगदान की सराहना करते हुए शताब्दी वर्ष की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा का मनमोहक प्रदर्शन किया गया।

संस्था की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर डाला प्रकाश

शताब्दी समारोह के दौरान कल्याण गायन समाज की ऐतिहासिक यात्रा, सांस्कृतिक योगदान और भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने संस्था की उपलब्धियों की सराहना करते हुए आने वाले वर्षों में भी इसी तरह सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं।

कल्याण दौरे पर किरीट सोमैया, मतदाता पंजीकरण अभियान को तेज करने का आह्वान

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान को गति देने के उद्देश्य से भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कल्याण का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विधायक सुलभा गायकवाड, भाजपा कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर अभियान की समीक्षा की तथा नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण जाँचकर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। बैठक में किरीट सोमैया ने कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा में विशेष मतदाता पंजीकरण (एसआईआर) अभियान तेज गति से चल रहा है, जबकि मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और कोकण क्षेत्र अपेक्षाकृत पीछे हैं। उन्होंने



कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने और आवश्यक सुधार कराने के लिए जागरूक करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान सोमैया ने मुंब्रा क्षेत्र को लेकर आरोप लगाया कि वहां करीब 40 हजार बांग्लादेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच और सत्यापन आवश्यक है।

अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने पर जोर

विधायक सुलभा गायकवाड ने भी कार्यकर्ताओं से विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अभियान को और तेज करने का भरोसा जताया।

‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत मीरा रोड में हुआ वृक्षारोपण, 25 पौधे लगाए गए

विनय दूबे | भाईंदर

अखिल विश्व गायत्री परिवार की सह-संस्थापिका संत एवं गुरु माताजी भगवती देवी शर्मा की 100वीं जन्मशताब्दी के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सृष्टि फाउंडेशन और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मीरा रोड के साईं बाबा नगर स्थित समाज मंदिर सभागृह परिसर में संपन्न हुआ। 'आओ पेड़ लगाएँ, धरती को मुस्कुराएँ' के नारे के साथ संस्था के पदाधिकारियों, स्थानीय नागरिकों और युवा समूहों ने मिलकर नीम, जामुन और कटहल सहित कुल 25 पौधे लगाए। इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक संस्कारों को जोड़ते हुए समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया। सृष्टि फाउंडेशन के अध्यक्ष विपिन



गुप्ता ने कहा कि पेड़ हजारों जीवन की आशा हैं। स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन के लिए अधिक कर लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधों की देखभाल की भी होगी व्यवस्था

आयोजकों ने बताया कि लगाए गए सभी पौधों की नियमित देखभाल, जलसिंचन और संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही आसपास के नागरिकों को भी इन पौधों की देखरेख में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में भीलेन्द्र येड़े, गायत्री येड़े, रमाशंकर पाल, अनिल अग्रवाल, प्रीति रॉय, मनीष शर्मा, डी.के. शर्मा, मीरा दीदी, अनिता रंजा, पूर्वी पंड्या, अविनाश, प्रशांत मांजरेकर, करण भाई सहित गायत्री परिवार के अनेक समर्पित सदस्यों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

40 दिनों में ठाणे पुलिस को मिले 22,507 आपातकालीन कॉल

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे पुलिस ने एक जून से 10 जुलाई के बीच महज 40 दिनों में प्राप्त 22,507 आपातकालीन कॉल पर त्वरित कार्रवाई कर नागरिकों की मदद की। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबर के मार्गदर्शन में कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय रहा और हर कॉल की सूचना तुरंत संबंधित पुलिस थाने तक पहुंचाई गई, जिससे कम से कम समय में सहायता उपलब्ध कराई जा सकी। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, एक से 30 जून के बीच कंट्रोल रूम को 17,598 कॉल प्राप्त हुए, जबकि एक से 10 जुलाई के बीच 4,909 कॉल दर्ज किए गए। इस प्रकार प्रतिदिन औसतन 560 से

अधिक नागरिकों ने आपातकालीन सहायता के लिए पुलिस हेलपलाइन का सहारा लिया। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक 1,746 आपातकालीन कॉल मुंब्रा पुलिस थाना क्षेत्र से प्राप्त हुए। इसके बाद कलवा, मानपाड़ा और नौपाड़ा थाना क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कॉल आए। वहीं, सबसे कम 177 कॉल कोपरी पुलिस थाना क्षेत्र से दर्ज किए गए।

ठाणे पुलिस ने जून महीने में औसतन 8 मिनट 36 सेकंड में घटनास्थल पर पहुंचकर कार्रवाई की, जबकि जुलाई के पहले 10 दिनों में औसत प्रतिक्रिया समय 9 मिनट 2 सेकंड रहा। ट्रैफिक जाम, भारी बारिश और अन्य बाधाओं के बावजूद पुलिस ने त्वरित प्रतिक्रिया बनाए रखी।

चमत्कार 1.196 किलोग्राम वजनी नवजात के मुंह से निकाले गए दुर्लभ जन्मजात दांत, डॉक्टरों ने बचाई जान

समय से पहले जन्मे बच्चे के दांत का सफल ऑपरेशन

अभय त्रिपाठी | ठाणे

छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में डॉक्टरों ने एक महीने के समयपूर्व (प्रीमैच्योर) नवजात शिशु के मुंह से जन्मजात दांत (नेटल टीथ) सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान को संभावित खतरे से बचाया। शिशु का वजन मात्र 1.196 किलोग्राम था। यह नाजुक शल्य प्रक्रिया शुक्रवार (10 जुलाई) को नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में सफलतापूर्वक की गई। आमतौर पर बच्चों के दांत जन्म के कई महीनों बाद निकलते हैं, लेकिन कुछ दुर्लभ मामलों में बच्चे जन्म के समय ही एक या अधिक दांतों के साथ पैदा होते हैं। चिकित्सा विज्ञान में इन्हें नेटल टीथ कहा जाता है। ऐसे मामले प्रत्येक 2,000 से 3,500 जीवित जन्मों में से केवल एक में देखने को मिलते हैं। लगभग 85 प्रतिशत



मामलों में ये दांत निचले जबड़े के सामने वाले हिस्से में होते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, इन ढीले दांतों

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने की सफल शल्य प्रक्रिया

यह जटिल प्रक्रिया मानद बाल दंत चिकित्सक डॉ. श्रेया बापट ने दंत चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. पल्लवी खले, डॉ. धैर्यशील एडके और डॉ. दिव्या मोकाशी के साथ मिलकर की। वहीं, बाल रोग विभाग की प्रमुख डॉ. शैलजा पोतदार और उनकी टीम ने पूरी प्रक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

के कारण शिशु को स्तनपान कराने में कठिनाई हो सकती थी। साथ ही दांत निकलकर श्वासनली में चले जाने (एस्पिरेशन) का भी खतरा था। इसके

कम वजन वाले नवजात पर पहली सफल सर्जरी

अस्पताल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में इस प्रकार की शल्य प्रक्रिया पहले भी की जा चुकी है, लेकिन इतनी कम जन्म-भार वाले नवजात पर यह पहली सफल सर्जरी है। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सा और बाल रोग विभाग के उत्कृष्ट समन्वय से बिना किसी जटिलता के यह प्रक्रिया पूरी हुई, जिससे शिशु के सुस्थित स्तनपान, बेहतर विकास और स्वस्थ बचपन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

अलावा जीभ पर घाव या रिगा-फेड़े अल्सर होने की आशंका को देखते हुए विशेषज्ञों ने दांत निकालने का निर्णय लिया।

इतिहास में पहली बार इतनी लंबी कार्यवाही

बीएमसी की 11 घंटे चली विशेष बैठक

दोपहर 3 बजे शुरू हुई बैठक रात 2:35 बजे हुई खत्म

देर रात तक कार्यवाही पर पार्षदों में नाराजगी

मोहम्मद मुक़ीम शेख | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका की विशेष बैठक लगातार 11 घंटे तक चलने के बाद शनिवार तड़के 2:35 बजे समाप्त हुई। दोपहर करीब 3:10 बजे शुरू हुई इस बैठक में मानसून के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम और आपदा प्रबंधन पर चर्चा के लिए 44 पार्षदों ने भाग लिया। बताया जा रहा है कि महानगरपालिका के इतिहास में पहली बार किसी विशेष बैठक की कार्यवाही इतनी देर रात तक चली।



मानसून की तैयारियों पर चर्चा, समाधान नहीं निकल सका

बैठक का उद्देश्य बारिश के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस उपायों पर चर्चा करना था। हालांकि सप्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा और कई सुझाव भी दिए गए, लेकिन बैठक से कोई ठोस निर्णय या नई कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी।

चार घंटे की परंपरा टूटी, उठे सवाल

महानगरपालिका में विशेष बैठकों को सामान्यतः चार घंटे के भीतर समाप्त करने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार बैठक को आधी रात के बाद तक जारी रखा गया। इसे लेकर पार्षदों के बीच असंतोष बढ़ा है और कार्यवाही के संवादन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

सुबह 11 से शाम 8 बजे तक बैठक का सुझाव

पार्षदों का कहना है कि भविष्य में महानगरपालिका की बैठकों का समय सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक निर्धारित किया जाए, ताकि जनप्रतिनिधियों, विशेषकर

महिला पार्षदों, को देर रात तक सदन में नहीं रुकना पड़े और कार्यवाही भी अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सके।

देर रात तक बैठक से पार्षदों में नाराजगी

सूत्रों के अनुसार, विभिन्न दलों के नेताओं ने पार्षदों को बैठक समाप्त होने तक सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। देर रात तक चली कार्यवाही के कारण कई पार्षदों, विशेषकर महिला पार्षदों, ने असुविधा और नाराजगी जताई। कई सदस्य पूरी बैठक के दौरान समय बीतने का इंतजार करते नजर आए।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के कंधे की मुंबई में सफल सर्जरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के दाहिने कंधे की मुंबई के कोकिलालाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में सफल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, पुनर्वास प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले चार महीनों में उनके कंधे की कार्यक्षमता सामान्य होने की उम्मीद है।



जन सेना पार्टी द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, पवन कल्याण के दाहिने कंधे में रोटेटर कफ की गंभीर चोट थी। जांच में सुप्रास्पिनेटस और इन्फ्रास्पिनेटस टेडन में गंभीर क्षति तथा ग्रेटर ट्यूबरोसिटी हड्डी में एक्लेशन फ्रैक्चर पाया गया। इसके बाद 11 जुलाई को उनकी आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी की गई।

सर्जरी अस्पताल के आर्थ्रोस्कोपी एवं शोल्डर सर्विस के निदेशक डॉ. दिनेश पाटीदारवाला ने की। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, ऑपरेशन सफल रहा और इसके दौरान किसी प्रकार की जटिलता सामने नहीं आई। सर्जरी के बाद पवन कल्याण की हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे

चिकित्सकों ने पवन कल्याण को कुछ समय आराम करने की सलाह दी है। इसके बाद उन्हें विशेष पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) कार्यक्रम से गुजरना होगा, जिसके माध्यम से कंधे की मजबूती और सामान्य कार्यक्षमता को धीरे-धीरे बहाल किया जाएगा।

महाराष्ट्र को रेलवे फाटक मुक्त बनाने का लक्ष्य

तीन साल में बनेंगे 145 रेलवे ओवरब्रिज: सीएम

मुंबई/नागपुर। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को रेलवे फाटक मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में राज्यभर में 145 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे रेलवे फाटकों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी और नागरिकों को सुरक्षित, तेज तथा आधुनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।



484 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने नागपुर के वर्धमान नगर में चार लेन रेलवे ओवरब्रिज सहित 484 करोड़ रुपये की लागत वाली नौ महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गडकरी ने की नई परियोजनाओं की घोषणा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पारडी क्षेत्र में नए प्लाईओवर के साथ आधुनिक सड़की बाजार और स्पोर्ट्स क्लब बनाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 150 करोड़ रुपये की इस परियोजना में 40 करोड़ रुपये का योगदान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) देगा।

महारेल के माध्यम से होगा निर्माण

फंडिंगवीस ने बताया कि महारेल के माध्यम से 145 रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इन सभी परियोजनाओं को तीन वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से कम लागत में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

नागपुर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपुर में तेजी से विकसित हो रही आधारभूत सुविधाओं से उद्योग, शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भगवान संभवनाथ चौक से डिप्टी सिमल मार्ग तक बने रेलवे ओवरब्रिज का नाम पूर्व उपमहापौर बहरीनबाई सोनबोईर के नाम पर रखने की भी घोषणा की।

पंढरपुर के लिए दौड़ेंगी एसटी की 5,500 विशेष बसें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आषाढी यात्रा के दौरान पंढरपुर पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाराष्ट्र राज्य परिवहन (एसटी) महामंडल ने इस वर्ष 5,500 विशेष बसें चलाने की तैयारी की है। परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया कि राज्य के किसी भी गांव से 40 या उससे अधिक श्रद्धालुओं का समूह होने पर उन्हें पंढरपुर तक सीधे विशेष बस उपलब्ध कराई जाएगी।



निकटतम एसटी डिपो में कराना होगा पंजीकरण

प्रताप सरनाईक ने चंद्रभागा बस स्थानक पर आयोजित समीक्षा बैठक में बताया कि विशेष बस सेवा का लाभ लेने के लिए श्रद्धालुओं को अपने निकटतम एसटी डिपो में पंजीकरण कराना होगा। उन्होंने कहा कि इस विशेष सेवा में भी सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी यात्रा रियायतें लागू रहेंगी।

महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा विशेष लाभ

'महिला सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी, जबकि 'अमृत ज्योत्स नगरिक योजना' के अंतर्गत 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक नि:शुल्क यात्रा कर सकेंगे। श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पंढरपुर और आसपास विशेष बस स्टॉप, अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कांदिवली सिद्धि विश्वकर्मा मर्डर केस

पीड़ित परिवार से मिले संजय निरुपम

मुंबई। कांदिवली पूर्व के समता नगर थाना क्षेत्र स्थित दामू नगर पहाड़ी इलाके में 17 वर्षीय सिद्धि विश्वकर्मा की हत्या के मामले में शिवसेना (शिंदे गट) के नेता



जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। निरुपम ने कहा कि इस घटना से पूरे इलाके में आक्रोश है

संजय निरुपम ने रविवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की। संजय निरुपम ने समता नगर पुलिस थाने पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे से मुलाकात की और मामले की जांच की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस से हत्या की निष्पक्ष, व्यापक और शीघ्र

और पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उन्होंने कहा कि दोषियों को कानून के अनुसार सख्त सजा मिलनी चाहिए। इस अवसर पर दिवंगत सिद्धि विश्वकर्मा की मां संजू रंजीत विश्वकर्मा, चाची निशा विश्वकर्मा, परिवार के अन्य सदस्य तथा बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

मोशी कचरा डिपो हादसे की उच्च स्तरीय जांच हो : विजय वडेटीवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेटीवार ने मोशी कचरा डिपो में हुए हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को हारसंभव सहायता उपलब्ध कराने की भी अपील की। वडेटीवार ने कहा कि मोशी कचरा डिपो में हुआ हादसा अत्यंत दुःखद और हृदय विदारक है। उन्होंने बताया कि मलबे में फंसे नौ मजदूरों की मौत हो गई। 83 घंटे तक चले बचाव एवं खोज अभियान के बाद राहत कार्य समाप्त कर दिया गया। उन्होंने मृतक मजदूरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

लापरवाही की जांच की मांग



उन्होंने कहा कि इस घटना को केवल एक दुर्घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वडेटीवार ने कचरा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और संबंधित एजेंसियों की संभावित लापरवाही की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

पीड़ित परिवारों को सहायता देने की अपील

वडेटीवार ने राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता देने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने तथा घायलों का समुचित उपचार

सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

7 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दक्षिण मुंबई के पायथुनी इलाके से एक बहुत ही चिन्ता कृत्य सामने आया है। एक सात साल की नाबालिग बच्ची के यौन उत्पीड़न की घटना हुई है। इससे स्थानीय जनता में जबरदस्त गुस्सा है। एक बिल्डिंग के सिक्वोरिटी गार्ड ने बाथरूम में घुसकर 7 साल की मासूम नाबालिग लड़की के साथ सेक्सुअल असाउट किया। इस घटना से गुस्साए लोगों ने सीधे पायथुनी पुलिस स्टेशन को घेर लिया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

इस पूरे मामले में पायथुनी पुलिस ने तुरंत कानूनी कदम उठाते हुए केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सिक्वोरिटी गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है और पूरी जांच चल रही है। इस घटना की जानकारी मिलते ही विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावेंकर घटना की जानकारी लेने पायथुनी पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां मौजूद गुस्साए लोगों व पीड़िता के रिश्तेदारों ने राहुल नावेंकर को घेर लिया और कड़ा विरोध जताया। गुस्साए लोग आरोपी को फांसी देने की मांग की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जब पीड़ित 7 साल की बच्ची बिल्डिंग के बाथरूम में गई, तो वहां तैनात सिक्वोरिटी गार्ड घुस गया और उसके साथ गलत काम किया। इस घटना में बच्ची घायल हो गई और उसे तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अभी उसका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

मामले में केस दर्ज

विरोध जताया। गुस्साए लोग आरोपी को फांसी देने की मांग की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जब पीड़ित 7 साल की बच्ची बिल्डिंग के बाथरूम में गई, तो वहां तैनात सिक्वोरिटी गार्ड घुस गया और उसके साथ गलत काम किया। इस घटना में बच्ची घायल हो गई और उसे तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अभी उसका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

गिरीश महाजन और एकनाथ खडसे के बीच फिर जुबानी जंग

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता एकनाथ खडसे के बीच एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा में खडसे की संभावित वापसी की अटकलों के बीच दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर तंज कसे और मुख्यमंत्री पद को लेकर भी बयान दिए। विनोद तावड़े से मुलाकात के बाद एकनाथ खडसे की भाजपा में वापसी की चर्चाएं शुरू हुई थीं। इसी संदर्भ में गिरीश महाजन ने तंज कसते हुए कहा था कि खडसे की तो दिल्ली से सीधी रूहौल्लाइनर है, ऐसे में उनकी वापसी रोकना उनके बस की बात नहीं है। इसके जवाब में खडसे ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दिल्ली की राजनीति में जाते हैं तो गिरीश महाजन ही अगले मुख्यमंत्री बनेंगे।



महाजन ने सीएम पद की अटकलों को किया खारिज

गिरीश महाजन ने मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अपना नाम होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक पहचान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की वजह से है। उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह फडणवीस के नेतृत्व में काम कर रहे हैं।

अमित शाह से मुलाकात का किया दावा

एकनाथ खडसे ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें दिल्ली बुलाकर भाजपा में लौटने का सुझाव दिया था। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह भाजपा में शामिल नहीं होंगे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ ही बने रहेंगे।

15 अगस्त 2027 से दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन सूरत-बिलिमोरा सेक्शन होगा पहला हाई-स्पीड रेल मार्ग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन सेवा 15 अगस्त 2027 से चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएचएसआर) परियोजना के तहत सूरत-बिलिमोरा खंड देश का पहला परिचालन वाला हाई-स्पीड रेल मार्ग बनेगा।

चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी सेवा

508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणबद्ध ढंग से शुरू किया जाएगा। सबसे पहले सूरत-बिलिमोरा खंड पर परिचालन शुरू होगा। इसके बाद वापी-सूरत, वापी-अहमदाबाद, अहमदाबाद-ठाणे और अहमदाबाद-मुंबई सहित अन्य खंडों को क्रमिक रूप से चालू किया जाएगा।



बुलेट ट्रेन परियोजना से क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा और परियोजना मार्ग के आसपास आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने इसे देश की

परिवहन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव बताया। रेल मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार देश के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का विस्तार करने की योजना पर

80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा

रेल मंत्री ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए तेजी से निर्माण जारी है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत में आधुनिक हाई-स्पीड रेल तकनीक की शुरुआत करेगी और मुंबई तथा अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय काफी कम करेगी।

आर्थिक विकास और बेहतर कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

काम कर रही है। इसके तहत हैदराबाद को केंद्र में रखकर पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु बुलेट ट्रेन कोरिडोर प्रस्तावित है।

संपादकीय

दवा न बने नशे का जरिया

केंद्र सरकार ने 12 प्रतिशत में अधिक एंथिल अल्कोहल वाली पीने की दवाओं और सिरप की विक्री पर सख्त नियम लागू करने का फैसला लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। लंबे समय से यह मांग उठती रही थी कि अधिक अल्कोहल वाली दवाओं के वितरण और विक्री पर प्रभावी निगरानी हो, क्योंकि इनका इस्तेमाल कई बार इलाज के बजाय नशे के लिए किया जाता रहा है। नए नियमों के तहत ऐसी दवाओं की विक्री अब डॉक्टर के पर्चे, लाइसेंस प्राप्त विक्रेता और विक्री का रिकॉर्ड रखने जैसी शर्तों के साथ होगी। यह निर्णय मरीजों को आवश्यक दवा उपलब्ध कराने और दवाओं के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के बीच संतुलन बनाने का प्रयास है। दवा का उद्देश्य बीमारी का उपचार करना होता है, लेकिन जब वही दवा नशे का साधन बनने लगे तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। देश के कई हिस्सों में अधिक अल्कोहल वाली दवाओं का गलत इस्तेमाल और भी अधिक देखने को मिला है। कम कीमत, आसान उपलब्धता और कमजोर निगरानी के कारण कुछ लोग इन्हें शराब के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने लगे। इसका सबसे अधिक असर युवाओं और नशे की लत से जूझ रहे लोगों पर पड़ा है। ऐसे में सरकार का यह कदम समय की जरूरत के अनुरूप माना जाना चाहिए। चिकित्सा विशेषज्ञ भी लंबे समय से इस समस्या की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। दिल्ली स्थित एम्स के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने अपने अध्ययन और उपचार के अनुभवों में पाया है कि नशे के कई कई लोग अधिक अल्कोहल वाली दवाओं का नियमित रूप से दुरुपयोग करते हैं। यही नहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि जिन क्षेत्रों में शराब आसानी से उपलब्ध नहीं होती या उस पर कड़े प्रतिबंध होते हैं, वहां अल्कोहल युक्त दवाओं के दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे तथ्य बताते हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का भी गंभीर विषय है। सरकार द्वारा बनाए गए नए नियम इस दिशा में सकारात्मक पहल हैं। अब बड़ी मात्रा में अधिक अल्कोहल वाली दवाएं खरीदना पहले जितना आसान नहीं रहेगा। डॉक्टर को पर्ची अनिवार्य होने और विक्री का रिकॉर्ड रखने से इनकी निगरानी बेहतर हो सकेगी। इससे जरूरतमंद मरीजों को इलाज में कोई परेशानी नहीं होगी, जबकि गलत इरादे से इन दवाओं को खरीदने वालों के लिए एक्सा कठिन हो जाएगा। यह व्यवस्था दवा की उपलब्धता और सार्वजनिक सुरक्षा के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। हालांकि केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं होगा। अक्सर देखा गया है कि कई अच्छे कानून कमजोर क्रियान्वयन के कारण अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर पाते। इसलिए यह आवश्यक है कि ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या बढ़ाई जाए और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। दवा दुकानों पर रिकॉर्ड की जांच, संदिग्ध विक्री पर कार्रवाई और नियमों के उल्लंघन पर सख्त दंड जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से लागू करनी होंगी। यदि निगरानी कमजोर रही तो नए नियम भी केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। इस दिशा में तकनीक का उपयोग भी बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि ऐसी दवाओं की विक्री का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल माध्यम से रखा जाए तो नियामक एजेंसियों के लिए यह पता लगाना आसान होगा कि किस दवा की कितनी विक्री हुई, किस डॉक्टर ने उसे लिखा और किस मेडिकल स्टोर से वह खरीदी गई। डिजिटल निगरानी से फर्जी खरीद, बार-बार दवा लेने या अवैध विक्री जैसे मामलों पर जल्दी कार्रवाई की जा सकेगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और जवाबदेही भी तय होगी।

शख्सियत पी. के. वासुदेवन नायर

सादगी और शुचिता के प्रतीक



भारतीय राजनीति में जब भी शुचिता, सादगी और वैचारिक दृढ़ता की बात आती है, तो कम्युनिस्ट आंदोलन के दिग्गज नेता पी. के. वासुदेवन नायर का नाम अग्रिम पंक्ति में लिया जाता है। वे जनसाधारण के बीच 'पीकेवी' (PKV) के नाम से बेहद लोकप्रिय थे।

केरल के मुख्यमंत्री और कई बार सांसद रहे पीकेवी ने अपने पूरे जीवन में सत्ता को कभी खुद पर हावी नहीं होने दिया। उनका जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कैसे बिना किसी तड़क-भड़क के, पूरी ईमानदारी के साथ जनता की सेवा की जा सकती है। उनका जन्म 13 जुलाई 1926 को केरल के कोट्टायम जिले के किट्टंगूर में हुआ था। छात्र जीवन के दौरान ही उनके भीतर देश और समाज के लिए कुछ करने का जज्बा पैदा हो गया था। जब वे चंगनास्सेरी के सेंट बर्चमैन्स कॉलेज में पढ़ रहे थे, तब वे स्वतंत्रता आंदोलन और छात्र राजनीति की ओर आकर्षित हुए। बाद में कानून की पढ़ाई के दौरान वे पूरी तरह से वामपंथी विचारधारा से जुड़ गए। वे 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन' के सक्रिय सदस्य बने और बाद में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) में शामिल हो गए। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भी हिस्सा लिया और इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा। पीकेवी एक बेहद कुशल और प्रखर वक्ता थे। उनकी सांगठनिक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारियाँ सौंपीं। वे चार बार देश की संसद (लोकसभा) के सदस्य चुने गए। उन्होंने 1957, 1962, 1967 और फिर जीवन के अंतिम पड़ाव में 2004 में लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया। संसद में उनके भाषण बेहद तर्कसंगत और गंभीर होते थे। विरोधी दल के नेता भी उनकी बात को बहुत ध्यान से सुनते थे। वे सीपीआई के संसदीय दल के नेता भी रहे। इसके अलावा, उन्होंने

'ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन' (AIYF) के पहले अध्यक्ष के रूप में युवाओं को संगठित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी राजनीतिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब आया, जब उन्होंने 29 अक्टूबर 1978 को केरल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हालांकि, उनका कार्यकाल महज एक साल (7 अक्टूबर 1979 तक) का रहा, लेकिन इस छोटे से सेवाकाल में उन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी। जब केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (LDF) को और मजबूत करने के लिए एठवंधम में बदलाव की जरूरत महसूस हुई, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट या सत्ता के मोह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस कदम ने राजनीतिक गलियारों में उनके सम्मान को और ज्यादा बढ़ा दिया। आज के दौर में जहां राजनीति में वीआईपी संस्कृति और धन-बल का बोलबाला है, वहीं पीकेवी का जीवन इसके बिल्कुल विपरीत था। मुख्यमंत्री और सांसद रहने के बावजूद वे हमेशा आम लोगों की तरह रहे। वे सार्वजनिक परिवहन (बसों और ट्रेनों) में सफर करने से कभी नहीं हिचकिचाते थे। उनके पास न तो कोई आलीशान बंगला था और न ही कोई बड़ी संपत्ति। उनकी सबसे बड़ी पूंजी जनता का भरोसा और उनका बेदाग चरित्र था। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी योगदान दिया और सीपीआई के मुखपत्र 'जनकयुगम' के संपादक के रूप में लंबे समय तक काम किया।



प्रेम कुमार राजनीति में सक्रिय, सामाजिक विषयों के जानकार, दिल्ली में निवास

अब भारत अपने 'गगनयान' मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष में मानव भेजने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर, रक्षा क्षेत्र में भारत 'आयात निर्भर देश' की छवि को तोड़कर एक निर्यातक देश बन चुका है। भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। INS विक्रांत जैसे स्वदेशी विमानवाहक पोत, तेजस लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस मिसाइल प्रणालियों का विकास यह दर्शाता है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ रक्षा बाजार में एक बड़ा खिलाड़ी बन चुका है। मार्च 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग \$688 बिलियन के सर्वकालिक उच्च स्तर के आसपास है, जो देश को किसी भी वैश्विक वित्तीय झटके से सुरक्षित रखता है।

हमारी गीता



स्वामिनी निष्कलानंदा चिन्मय मिशन कल्याण

मार्च क्रिकेट के खेल में बल्लेबाज के सामने एक के बाद एक गेंद आती रहती है। कभी तेज, कभी स्पिन, कभी उछाल वाली और कभी सिंगर होती हुई। जो खिलाड़ी हर गेंद को धैर्य, विवेक और अभ्यास के साथ खेलता है, वही अंत तक नॉट आउट रहता है, शतक बनाता है और अपनी टीम को विजय दिलाता है। इसलिए उसे मैन ऑफ द मैच का सम्मान मिलता है। लेकिन जीवन को क्रिकेट इससे कहीं अधिक कठिन है। यहां गेंद किस दिशा से आएगी, कौन कैकेगा और कैसी होगी, इसका कोई अनुमान नहीं होता। कभी आर्थिक संकट, कभी बीमारी, कभी अपमान, कभी प्रियजन का वियोग, कभी असफलता और कभी विश्वासघात—जीवन हर दिन नई परीक्षा लेकर आता है।

जीवन ऊर्जा

प्रसिद्ध नाइजीरियाई लेखक, नाटककार और कवि वोल सोयिका का जन्म 13 जुलाई 1934 को हुआ था। वे अपनी सशक्त लेखनी और नागरिक अधिकारों के संघर्ष के लिए जाने जाते हैं। साल 1986 में उन्हें साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे वे यह गौरव पाने वाले अफ्रीका के पहले अश्वेत साहित्यकार बने। वर्तमान में 91 वर्ष की आयु पार कर चुके वोल सोयिका जीवित हैं और सक्रिय हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

क्रोध का त्याग ही धर्म का मार्ग

सनातन धर्म में क्रोध को मनुष्य का सबसे बड़ा आंतरिक शत्रु माना गया है। हमारे वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण तथा संत-महात्माओं की वाणी बार-बार यही संदेश देती हैं कि जो व्यक्ति क्रोध पर विजय प्राप्त कर लेता है, वह स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि क्रोधाद्भवति संमोहः, संमोहात्सुप्तिविभ्रमः, स्मृतिभ्रंशो बुद्धिनाशो, बुद्धिनाशात् प्रणश्यति। अर्थात् क्रोध से मोह उत्पन्न होता है, मोह से स्मृति भ्रमित होती है, स्मृति के नष्ट होने पर



पंडित कैलाशचंद्र शर्मा वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में भारत का एक महाशक्ति (सुपरपावर) के रूप में उदय समकालीन इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। औपनिवेशिक दासता और आर्थिक संघर्षों के दौर से बाहर निकलकर आज का भारत वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। अपनी विशाल युवा आबादी, सुदृढ़ लोकांत्रिक व्यवस्था और रणनीतिक विदेश नीति के बल पर भारत ने हर क्षेत्र में अपनी धाक जमाई है। आज वैश्विक समुदाय न केवल भारत की आवाज को सुनता है, बल्कि वैश्विक आर्थिक संकटों और भू-राजनीतिक (Geopolitical) तनावों के समाधान के लिए भारत की ओर अग्रसर होता है। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ, बल्कि इसके पीछे दशकों की आर्थिक नीतियों, तकनीकी नवाचार और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक सुव्यवस्थित ढांचा काम कर रहा है। भारत की महाशक्ति बनने की यात्रा का सबसे मजबूत स्तंभ उसकी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और वैश्विक रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत लगभग \$4.15 ट्रिलियन (4.15 लाख करोड़ डॉलर) की नामिनल जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जहां अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों जैसे बड़े देशों की विकास दर में मंदी देखी जा रही है, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था 2026 में लगभग 6.5% से 7.4% की दर से आगे बढ़ रही है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर है। वस्तु एवं सेवा कर (GST) संग्रह हर महीने औसतन 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक होना देश के भीतर मजबूत घरेलू मांग और संगठित व्यापार को दर्शाता है। तकनीकी नवाचार और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत ने विकसित देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI), विशेषकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI), आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुका है। देश में हर महीने अरबों

के डिजिटल वित्तीय लेनदेन होते हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक हैं। वित्तीय वर्ष 2026 तक भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 90 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे ग्रामीण इलाकों तक डिजिटल समावेशन (Digital Inclusion) संभव हुआ है। इसके साथ ही, देश का आईटी (IT) और सॉफ्टवेयर निर्यात सालाना 11% की दर से बढ़ रहा है। भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं,



बल्कि 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' में लगातार अपनी रैंक सुधारते हुए वैश्विक तकनीकी केंद्र (Tech Hub) के रूप में स्थापित हो चुका है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा ऊर्जा है। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत की औसत आयु लगभग 28 वर्ष है, जो इसे एक अभूतपूर्व 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' प्रदान करती है। जहां चीन और पश्चिमी देश बुजुर्ग होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा कामकाजी कार्यबल (Workforce) है। 'मेक इन इंडिया' और प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव (PLI) जैसी योजनाओं ने देश को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र (Manufacturing Hub) में बदल दिया है। स्मार्टफोन निर्माण से लेकर ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर तक, भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (Global Supply Chain) का एक

अनिवार्य हिस्सा बन गया है। HSBC इंडिया मैनुफैक्चरिंग पीएमआई (PMI) का Q4 से ऊपर रहना विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर हो रहे विस्तार को प्रमाणित करता है। एक महाशक्ति के लिए रक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान में संप्रभुता अनिवार्य है। भारतीय अंतरिक्षसंगठन (ISRO) ने बेहद कम लागत में चंद्रयान और मंगल मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करके दुनिया को चमकृत किया है। अब भारत अपने 'गगनयान' मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष में मानव भेजने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर, रक्षा क्षेत्र में भारत 'आयात निर्भर देश' की छवि को तोड़कर एक निर्यातक देश बन चुका है। भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। INS विक्रांत जैसे स्वदेशी विमानवाहक पोत, तेजस लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस मिसाइल प्रणालियों का विकास यह दर्शाता है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ रक्षा बाजार में एक बड़ा खिलाड़ी बन चुका है। मार्च 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग \$688 बिलियन के सर्वकालिक उच्च स्तर के आसपास है, जो देश को किसी भी वैश्विक वित्तीय झटके से सुरक्षित रखता है। भू-राजनीतिक मंच पर भारत की विदेश नीति आज 'गुटनिरपेक्षता' से आगे बढ़कर 'बहु-संरेखण' (Multi-alignment) और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखने वाली बन चुकी है। क्वाड (QUAD) और ब्रिक्स (BRICS) जैसे महत्वपूर्ण संगठनों में भारत की केंद्रीय भूमिका है। रूस-यूक्रेन संकट हो या पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) का तनाव, भारत ने हमेशा शांति और कूटनीति का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके अतिरिक्त, भारत की 'सॉफ्ट पावर'—जिसमें योग, आयुर्वेद, सिनेमा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत शामिल हैं—ने दुनिया भर के लोगों को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का वैश्विक आयोजन और वैश्विक स्वास्थ्य संकटों के समय 'वैक्सीन मैत्री' के तहत दुनिया के सौ से अधिक देशों को दवाएं पहुंचाना भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम्' (दुनिया एक परिवार है) के दर्शन को प्रमाणित करता है।

स्थितप्रज्ञ-मैन ऑफ द मैच

इन परिस्थितियों का सामना करने के लिए हमारे पास न तो कोई हेलमेट है और न ही कोई पैड। आधुनिक शिक्षा हमें रेगजार तो सिखाती है, पर जीवन जीने की कला बहुत कम सिखाती है। इसीलिए श्रीमद्भगवद्गीता जीवन की इस कठिन प्रतिरोधिता को जीतने का मार्ग बताती है। भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के सामने स्थितप्रज्ञ पुरुष का स्वरूप रखते हैं। स्थितप्रज्ञ वह है जो जीवन हर परिस्थिति में अपने मन का संतुलन बनाए रखता है। सुख मिलने पर उछलता नहीं और दुःख आने पर टूटता नहीं। यही व्यक्ति जीवन की वास्तविक परीक्षा में नॉट आउट रहता है। यदि हम यह अपेक्षा करें कि जीवन में कभी दुःख ही न आए, तो यह असंभव है। संसार के महान ऋषि, मुनि, संत और महापुरुष भी

दुःखों से अछूते नहीं रहे। स्वयं भगवान श्रीराम को वनवास, सीता-वियोग और अनेक कष्ट सहने पड़े। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन भी संघर्षों और चुनौतियों से भरा रहा। इसलिए दुःख का आना संभव नहीं है, बल्कि दुःख के बीच मन को स्थिर रखना ही आध्यात्मिक सफलता है। गीता के अनुसार इस नॉट आउट जीवन के दो मुख्य रहस्य हैं—कामनाओं का परित्याग और आत्मसंतुष्टि। जितनी अधिक इच्छाएं होंगी, उतनी ही अधिक निराशा होगी। जब मनुष्य अनावश्यक कामनाओं को छोड़कर अपने भीतर स्थित आत्मा में संतोष प्राप्त करता है, तब बाहरी परिस्थितियां उसे विचलित नहीं कर पातीं। उसकी प्रसन्नता वस्तुओं, व्यक्तियों और परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहती।

वोल सोयिका : जन्म 13 जुलाई 1934

जन्म

शिक्षा का उद्देश्य सही और गलत का अंतर समझना है

अव्याचार के सामने चुप रहने वाले इंसान के भीतर की इंसानियत मर जाती है। न्याय मानवता की पहली और सबसे अनिवार्य शर्त है। जो सच को दबाना चाहते हैं उनके लिए कितने और लेखन सबसे बड़ा डर है। सत्ता एक नशा है जो अक्सर स्वतंत्रता को छीन लेती है। अज्ञानता सामूहिक विनाश का सबसे बड़ा हथियार है। आलोचना का न होना स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। तानाशाह के शासन में राष्ट्र नहीं सिर्फ एक किला बचता है। बिना कुछ गलतियों के दुनिया को फिर से नहीं बदला जा सकता। कला और संस्कृति असीम संभवनाओं का माध्यम हैं। एक लेखक का काम समाज को आईना दिखाना है चाहे वह कितना भी कड़वा हो। भय में जीने वाला समाज कभी स्वतंत्र

नहीं हो सकता। लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं बल्कि हर नागरिक की आवाज का सम्मान है। इतिहास को भुलाने वाले समाज अंधविश्वास की खो देते हैं। सच बोलने की कीमत चुकानी पड़ती है लेकिन चुप रहने की कीमत कहीं ज्यादा है। मानवाधिकार कोई दान नहीं बल्कि हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। असली ताकत सत्ता में नहीं बल्कि जनता की एकजुटता में होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि पाना नहीं बल्कि सही और गलत का अंतर समझना है। जब तक समाज में असमानता है तब तक पूर्ण शांति असंभव है। विचारों को सलाखों के पीछे कैद नहीं किया जा सकता। बदलाव की शुरुआत



हमेशा एक अकेली आवाज से होती है। साहित्य मानवीय संवेदनाओं को जिंदा रखने का जरिया है। परंपराएं अगर प्रगति में बाधा बनें तो उनमें सुधार जरूरी है। अन्याय कहीं भी हो वह हर जगह के न्याय के लिए खतरा है। अपनी पहचान और संस्कृति पर गर्व करना आत्मसम्मान की निशानी है। बुद्धिजीवियों का मौन तानाशाही को बढ़ावा देता है। स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं है इसे हर दिन बचाना पड़ता है। संवाद ही हर संघर्ष का अंतिम और सही समाधान है। धर्म का काम लोगों को जोड़ना होना चाहिए न कि नफरत फैलाना। एक जागरूक नागरिक ही देश की असली संपत्ति है।

अपने विचार

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बताना चाहिए कि किस विधायक को पैसे की पेशकश की गई, कौन-सा बीजेपी नेता इसमें शामिल था और यह कथित घटना कब और कहाँ हुई। अगर इतनी गंभीर घटना हुई थी तो इसकी शिकायत जांच एजेंसियों से क्यों नहीं की गई? एक निर्वाचित मुख्यमंत्री बिना सबूत के ऐसे आरोप नहीं लगा सकता।



-आर.एस.पठानिया प्रवक्ता, भाजपा

प्रशांत किशोर राजनीति के छुड़छुड़ी पटाखा हैं। उनका चुनव चिन्ह क्या है, बैंगन या टमाटर, टेबुल या कुर्सी? राजनीति में हालत यह हो गई कि जैविक उद्यान पटना पहुंच गए। जैविक उद्यान में तो पूरे पटना के लोग धुमते हैं, उनसे वोट मांग रहे थे।



-नीरज कुमार प्रवक्ता, जेडीयू

अगर हम सिर्फ मंदिरों की चोरी देखेंगे तो हम लोग सनातन को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। अन्य जगहों पर भी चोरी होती है। मंदिरों में जो धातु में चोरी हुई है मैंने एक स्पष्ट बात कही है कि आजादी के बाद से सरकारों द्वारा मंदिरों के सन का दुरुपयोग किया गया है।



-देवकीनंदन ठाकुर कथाकार

मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट पर सवाल उठाकर लोग महाराष्ट्र की तौहीन कर रहे हैं। मैं अपनी आलोचना तो बर्दाश्त कर सकता हूँ। लेकिन यहां के वेस्ट प्रोजेक्ट को निशाना बनाकर महाराष्ट्र की गरिमा के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है, वह मुझे बर्दाश्त नहीं है। अगर लोगों को उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया, 'भाड़े का टट्टू' शब्द पसंद नहीं आ रहा तो वह इसके लिए दूसरा शब्द इस्तेमाल करेंगे।



-देवेंद्र फडणवीस सीएम, महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com भेज सकते हैं।

नांदुरा रेलवे स्टेशन का हुआ कार्याकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मिलेगी आधुनिक सुविधाएं

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

मध्य रेल के भुसावल मंडल स्थित नांदुरा रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक स्वरूप में पुनर्विकास किया गया है। करीब 10.63 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह स्टेशन जल्द ही राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। उन्नयन के बाद यात्रियों को बेहतर सुविधाएं, अधिक सुरक्षा, सुगम आवागमन और आधुनिक यात्रा अनुभव मिलेगा।

हावड़ा—मुंबई रेल मार्ग का महत्वपूर्ण स्टेशन

हावड़ा—नागपुर—मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर स्थित नांदुरा रेलवे स्टेशन बुलढाणा जिले का प्रमुख रेल प्रवेशद्वार है। यहां प्रतिदिन औसतन 4,545 यात्री आवागमन करते हैं तथा 26 ट्रेनों का संचालन होता है। वर्ष 1888 में शुरू हुए इस स्टेशन ने क्षेत्र के कृषि, व्यापार और उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा



नांदुरा अपनी 105 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा, अंबादेवीगढ़, शनि महाराज मंदिर, खंडोबा मंदिर और निंबा देवी मंदिर जैसे धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा निकट स्थित शेगांव, ज्ञानगंगा वन्यजीव अभयारण्य और लोणार क्रेटर झील भी प्रमुख पर्यटन केंद्र हैं। स्टेशन के आधुनिकीकरण से पर्यटन, स्थानीय व्यापार और कृषि उत्पादों के परिवहन को नई गति मिलने की उम्मीद है। मध्य रेल के भुसावल मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र के 15 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें सावदा, धुले, देवलाई, मूर्तिजापुर और लासलगांव स्टेशन पहले ही राष्ट्र को समर्पित किए जा चुके हैं। अब नांदुरा रेलवे स्टेशन भी आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों की सेवा के लिए तैयार है।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्था

स्टेशन को दिव्यांगजन—अनुकूल बनाया गया है। यहां स्पर्शनीय मार्ग (टैक्टाइल पाथवे), कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर, दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय, कम ऊंचाई पर पेयजल सुविधा और आरक्षित पार्किंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही आधुनिक साइनेज, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और बेहतर सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

बेहतर पार्किंग और प्लेटफॉर्म अवसंरचना

स्टेशन परिसर में 9 मीटर चौड़ा नया प्रवेश और निकास मार्ग बनाया गया है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए 1,307 वर्गमीटर क्षेत्र में पार्किंग विकसित की गई है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर 160 मीटर और प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर 224 मीटर लंबे नए शेल्टर का निर्माण किया गया है।

स्टेशन पर विकसित हुई आधुनिक सुविधाएं

पुनर्विकास के तहत नया और विशाल बुकिंग कार्यालय, चार टिकट काउंटर, वातानुकूलित एवं आधुनिक प्रतीक्षालय, पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए अलग शौचालय, आवृत प्रवेश द्वार, आधुनिक फर्श, पेयजल कूलर और टिकाऊ फर्नीचर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

वेस्टर्न रेलवे एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सफलतापूर्वक पूरा किया किन्जौर कैलाश ट्रेक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वेस्टर्न रेलवे एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन (डब्ल्यूआरएसए) ने हिमाचल प्रदेश के चुनौतीपूर्ण किन्नौर कैलाश ट्रेक को

सफलतापूर्वक पूरा कर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस अभियान में टीम ने कठिन परिस्थितियों के बीच साहस, अनुशासन, सहनशक्ति और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय दिया।

युल्ला कांडा ट्रेक से हुई अभियान की शुरुआत



पश्चिम रेलवे के अनुसार, अभियान की शुरुआत युल्ला कांडा ट्रेक से हुई, जहां लगभग 3,895 मीटर (12,778 फीट) की ऊंचाई पर स्थित भगवान श्रीकृष्ण के विश्व के सबसे ऊंचे मंदिर तक पहुंचा गया। लगभग 24 किलोमीटर लंबे इस ट्रेक का उद्देश्य मुख्य किन्नौर कैलाश अभियान से पहले दल को ऊंचाई के अनुकूल बनाना था। युल्ला कांडा ट्रेक पूरा करने के बाद दल रिकॉम पिओ होते हुए तंगलिंग पहुंचा, जहां से किन्नौर कैलाश ट्रेक की शुरुआत हुई। तंगलिंग से लगभग छह घंटे की कठिन पदयात्रा कर टीम गणेश पार्क पहुंची, जहां रात्रि विश्राम के बाद अंतिम चरण की चढ़ाई पूरी की गई। अभियान दल में टीम लीडर सहित पश्चिम रेलवे के नौ कर्मचारी और उनके चार पारिवारिक सदस्य शामिल थे।

बोर्डिसर में बाढ़ के बाद एक्शन मोड में विधायक विलास तरे, अधिकारियों को तत्काल पंचनामे के निर्देश

अधिवेशन खत्म होते ही बुलाई समीक्षा बैठक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र की समाप्ति के तुरंत बाद बोर्डिसर विधानसभा क्षेत्र में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए विधायक विलास तरे ने जनसंपर्क कार्यालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुलाई। बैठक में शिवसेना जिला प्रमुख वसंत चव्हाण, राजस्व, महानगरपालिका, महावितरण, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तत्काल पंचनामे के निर्देश



विधायक तरे ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक गांव और शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक प्रभाग में बाढ़ से हुए नुकसान का तत्काल और निष्पक्ष पंचनामा किया जाए। पात्र नागरिकों को शासन के नियमों के अनुसार शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए राजस्व विभाग और महानगरपालिका संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। बैठक में निर्देश दिए गए कि बाढ़ प्रभावित लोगों को खानाना, पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी प्रभावित परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रहे। विधायक तरे ने शहर के नालों और जल निकासी व्यवस्था का स्वतंत्र तकनीकी अध्ययन कराने के निर्देश दिए। प्राकृतिक नालों पर हुए अतिक्रमण हटाने, जल प्रवाह में बाधा बनने वाले कारणों की रिपोर्ट तैयार करने और भविष्य में बाढ़ की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने पर जोर दिया गया। राजावली और टिंवरि क्षेत्र की सरकारी जमीनों पर हुए अतिक्रमण की भी तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। महावितरण अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति जल्द सामान्य करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को संभावित संक्रामक रोगों की रोकथाम, सर्पदंश की दवाओं का पर्याप्त भंडारण, पेयजल स्रोतों की जांच और मोबाइल स्वास्थ्य शिविर चलाने के आदेश दिए गए। वहीं कृषि विभाग को किसानों की फसल क्षति का शीघ्र पंचनामा कर सूची प्रशासन और विधायक कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया।

भारी बारिश से रेल परिचालन प्रभावित, कई ट्रेनों का बदला मार्ग



रतलाम। मुंबई और पुणे क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश, जलभराव तथा मुंबई—पुणे घाट सेक्शन में भूस्खलन और रेलवे ट्रैक पर बोल्डर गिरने के कारण पश्चिम एवं मध्य रेलवे के विभिन्न रेलखंडों पर ट्रेन परिचालन प्रभावित हुआ है। इसके चलते रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। रेलवे के अनुसार, 16 जुलाई को सोलापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09628 सोलापुर—अजमेर स्पेशल दौड़—मनमाड—जलगांव—पालधी—सूरत मार्ग से चलेगी। 12 जुलाई को दौड़ से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22193 दौड़—ग्वालियर एक्सप्रेस भी इसी मार्ग से संचालित होगी। इसी प्रकार, 15 जुलाई को अजमेर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09627 अजमेर—सोलापुर स्पेशल सूरत—पालधी—मनमाड—दौड़ मार्ग से चलेगी। 11 जुलाई को ग्वालियर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 22194 ग्वालियर—दौड़ एक्सप्रेस तथा 16 जुलाई को अजमेर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20991 अजमेर—दौड़ एक्सप्रेस भी परिवर्तित मार्ग से संचालित की जाएंगी।

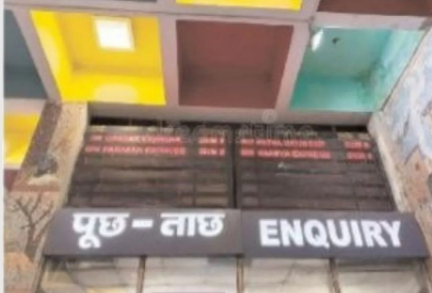
पूछताछ काउंटरों का संचालन होगा आउटसोर्स

पश्चिम रेलवे का पहला मंडल बना रतलाम

डीबीडी संवाददाता | रतलाम

पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उपलब्ध मानव संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में नई पहल करने जा रहा है। मंडल ने अपने नौ प्रमुख रेलवे स्टेशनों के 10 पूछताछ काउंटरों के संचालन को आउटसोर्स करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही रतलाम, पश्चिम रेलवे का ऐसा करने वाला पहला मंडल बन जाएगा। यह व्यवस्था 20 जुलाई 2026 से लागू होगी। मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के मार्गदर्शन में तैयार की गई यह व्यवस्था फिलहाल एक वर्ष के लिए लागू की जाएगी।

नौ स्टेशनों पर मिलेगी 24 घंटे पूछताछ सेवा



नई व्यवस्था के तहत इंदौर रतलाम, उज्जैन, दाहोद, नीमच, चित्तौड़गढ़, देवास, नागदा और डॉ. अंबेडकर नगर रेलवे स्टेशनों पर पूछताछ केंद्रों का संचालन हैदराबाद की मेगा कस्टमर कंपनी द्वारा

चौबीसों घंटे किया जाएगा। रेलवे ने निविदा प्रक्रिया पूरी कर एजेंसी का चयन कर कार्यादेश जारी कर दिया है। कार्य शुरू होने से पहले एजेंसी के सभी कर्मचारियों को रेलवे की पूछताछ प्रणाली, यात्री सहायता और संबंधित प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और त्वरित सेवाएं मिल सकें।

रेल कर्मचारी निभाएंगे अपनी मूल जिम्मेदारियां

वर्तमान में इन पूछताछ काउंटरों पर टिकट जांच और आरक्षण संवर्ग के 37 कर्मचारी तैनात हैं। पूछताछ काउंटरों के आउटसोर्स होने के बाद इन कर्मचारियों को टिकट जांच और ट्रेनों से जुड़े उनके मूल कार्यों में लगाया जाएगा। रेलवे का मानना है कि इससे टिकट जांच व्यवस्था मजबूत होगी और राजस्व में भी वृद्धि होगी।

यात्रियों को मिलेगी कई सुविधाएं

आउटसोर्स कर्मचारी यात्रियों को पूछताछ सुविधा उपलब्ध कराने, स्टेशन पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी देने, कोच और ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड संचालित करने, स्वचालित एवं मैन्युअल उद्घोषणाएं करने तथा दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक यात्रियों की सहायता करेंगे। इसके अलावा वे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या, ट्रेनों के आगमन—प्रस्थान और प्लेटफॉर्म उपयोग से जुड़े आंकड़ों का भी संचालन करेंगे, जिससे भविष्य में भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं की बेहतर योजना बनाई जा सकेगी।

10 स्थानों पर लगाए जाएंगे 8 लाख से अधिक पौधे

डीबीडी संवाददाता | अहमदाबाद

पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने गुजरात सरकार के राज्यव्यापी मेगा वृक्षारोपण अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम शुरू किया है। मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अहमदाबाद मंडल के 10 प्रमुख रेलवे स्थलों पर 8 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

विभिन्न प्रजातियों के लगाए जा रहे पौधे

अभियान के तहत फाउंटेन ग्रास, बोगनवेलिया, बांस, टेकोमा, केसूड़ा (पलाश), नागोद, देसी मेहंदी, करंज, हरसिंगार, कचनार, अमलतास और देसी बबूल सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

कई प्रमुख रेलवे स्थलों पर होगा पौधारोपण



अहमदाबाद मंडल के अंतर्गत आंबली रोड—गोराधुमा, छारोडी—जाख वाड़ा, गोराधुमा—साणंद, साणंद—छारोडी, साणंद—डोएफसी लाइन, साबरमती—चांदलोडिया सहित कई रेलवे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा साबरमती और आंबली रोड क्षेत्र में भी हजारों पौधे लगाए जा चुके हैं।

राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है पहल

यह कार्यक्रम गुजरात सरकार के राज्यव्यापी मेगा वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा है। इस अभियान में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में भाग लिया। राज्यभर में एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

रेलवे और वन विभाग ने मिलकर किया पौधारोपण

अभियान के दौरान मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश तथा गुजरात वन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. मीनल जानी, रुचि दवे (सहायक वन संरक्षक) सहित रेलवे और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि यह संयुक्त पहल हरित आवरण बढ़ाने, स्थानीय पारिस्थितिकी के संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को मजबूती देगी।

साणंद में पहले चरण में 2 लाख से अधिक पौधों का रोपण

डीआरएम ने बताया कि गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के सहयोग से 'वन कवच योजना' के तहत साणंद में रेलवे की 1.20 लाख वर्गमीटर भूमि पर कुल चार लाख पौधे लगाने की योजना बनाई गई है। पहले चरण में दो लाख से अधिक पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया जा चुका है, जबकि शेष पौधे आगामी चरणों में लगाए जाएंगे।



राशिफल

प्रियंका जैन

मेष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार—व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

वृष विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। शकान व कमजोरी रह सकती हैं। लेन—देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार—व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुखेंगे।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार—व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेरार मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मीन

भूमि—भवन व मकान—दुकान इत्यादि की खरीद—फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर—बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन

97699 94439

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले—बिसरे सन्धियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

सिंह

रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नाकेट में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेरार मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार—व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

धनु

अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन—देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर—बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

दक्षिण एलिवेटेड रोड परियोजना का डीआरएम ने किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | अहमदाबाद

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वेद प्रकाश ने रविवार को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के तहत निर्माणधीन दक्षिण एलिवेटेड रोड परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सारंगपुर रोड ओवर क्रिज (आरओबी) से प्रस्तावित कनेक्टिविटी के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

दक्षिण ड्रॉप-ऑफ क्षेत्र में तेजी से चल रहा निर्माण

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण ड्रॉप—ऑफ क्षेत्र में प्रस्तावित 17 पियरों में से चार का निर्माण पूरा हो चुका है। शेष पियरों का निर्माण कार्य भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गुणवत्ता और समय-सीमा पर विशेष जोर



डीआरएम वेद प्रकाश ने कहा कि अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के तहत दक्षिण एलिवेटेड रोड और सारंगपुर आरओबी की कनेक्टिविटी यात्रियों की आवाजाही को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगी। उन्होंने अधिकारियों और

पोर्टल पियर निर्माण कार्य की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण एलिवेटेड रोड परियोजना के अंतर्गत पियर संख्या 42 से 51 तक कुल 10 पोर्टल पियर पर कार्य किया जा रहा है। इनमें पियर संख्या 42, 43, 47, 48, 49, 50 और 51 के दाहिने हिस्से (राइट लेग) का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि पियर संख्या 44 के दाहिने हिस्से के लिए पाइलिंग का कार्य प्रगति पर है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

40 दिन में 70 बार हुई रकम की चोरी

►अविनाश शुक्ला
निकला मुख्य आरोपी

एजेंसी | अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एसआईटी जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। जांच के अनुसार, मंदिर परिसर में चढ़ावे की रकम चोरी करने वाले गिरोह में अविनाश शुक्ला की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। सीसीटीवी फुटेज में वह सबसे अधिक बार चढ़ावे की रकम निकालते हुए दिखाई दिया है। जांच में सामने आया कि करीब 40 दिनों के दौरान 70 बार चोरी हुई, जिनमें लगभग 50 बार अविनाश शुक्ला कैमरे में कैद हुआ। गिरोह के अन्य सदस्य चोरी के दौरान उसे सुरक्षा देते थे।



मनीष और रमाशंकर भी थे शामिल

एसआईटी जांच में यह भी सामने आया कि कई अवसरों पर मनीष और रमाशंकर ने भी चढ़ावे की रकम चोरी की। वास्तविकता के बाद सभी आरोपी आपस में रकम का बंटवारा कर लेते थे। सीसीटीवी फुटेज और आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि गिरोह लगभग हर दिन दो बार चोरी करता था। अविनाश, अनुकल्प और लवकुश ने पूछताछ में बताया कि कई

बार अवसर मिलने पर एक ही दिन में तीन बार भी रकम निकाली गई, जबकि कुछ दिनों में अनुकूल परिस्थितियां न होने के कारण चोरी नहीं हो सकी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की विस्तृत जांच अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। वहीं पुलिस की विवेचना अभी जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

अविनाश को
साँपी गई थी
मुख्य जिम्मेदारी

एसआईटी की पूछताछ में सामने आया कि गिरोह ने चढ़ावे की रकम निकालने की मुख्य जिम्मेदारी अविनाश शुक्ला को दे रखी थी। रिमांड के दौरान उसने भी स्वीकार किया कि अधिकांश बार चोरी का काम वहीं करता था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपनी विवेचना का प्रमुख साक्ष्य बनाया है, जिसमें अधिकांश घटनाओं में अविनाश की भूमिका की पुष्टि हुई है।

अनुकल्प और
लवकुश बनाते
थे पूरी योजना

जांच के मुताबिक, चोरी की पूरी साजिश अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा मिलकर तैयार करते थे। कब, कैसे और किस समय रकम निकालनी है, इसकी रणनीति दोनों तय करते थे। वहीं टिन्नु यादव और गणपतिकां मुसाफ श्रीवास्तव पर चोरी के दौरान निगरानी रखने और आरोपियों को सहयोग देने का आरोप है, ताकि किसी की नजर उन पर न पड़े।



से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 8 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, डेबिट कार्ड, तैरह सिम कार्ड, तीन बैंक पासबुक आदि बरामद किया है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बंदियों ने पुलिस को बताया कि नौकरी की तलाश करें व्यक्तियों का डाटा quikr.com एवं अन्य वेबसाइटों से प्राप्त कर उन्हें स्पाइसजेट कंपनी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर ये लोग उनसे बात करते थे। जो व्यक्ति

उनके झांसे में आ जाता था, उन्हें फर्जी जॉब लेटर तैयार कर भेजते थे, तथा रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोसेसिंग फीस के नाम पर मोटी रकम ले लेते थे। यह धनराशि मूल खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपितों ने एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने की बात स्वीकार की है।

भ्रष्ट अफसरों पर जल्द गिरेगी गाज बड़ी कार्रवाई की तैयारी में यूपी सरकार, विजिलेंस ने दिए संकेत

एजेंसी | लखनऊ

यूपी सरकार भ्रष्टाचारियों पर और शिकंजा कसने जा रही है। सेवानिवृत्त एआरटीओ ललित कुमार के घर छापेमारी में मिले 35 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति मामले आने के मामले को उच्च स्तर पर गंभीरता से लिया गया है। बताया जा रहा है कि विजिलेंस जांच में भ्रष्टाचार को लेकर मिले पुख्ता सुवृत्त वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं। माना जा रहा है कि यूपी में इस तरह की जल्द ही बड़ी कार्रवाई हो सकती है। विजिलेंस की खुली जांच में आय से अधिक संपत्ति के दोषी पाए गए अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी शिकंजा कसने के साथ ही लटके मामलों का जल्द निस्तारण किया जाएगा। उच्च स्तर पर विजिलेंस भ्रष्टाचार के जिन मामलों की जांच कर रही है, उनमें गंभीर श्रेणी के कई मामलों की प्रगति भी पृथक् गई है। सूत्रों का कहना है कि आय से कई गुना संपत्ति जुटाने वाले कुछ अधिकारियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। शासन इन कार्रवाई के माध्यम से भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मियों को बड़ा संदेश देने का प्रयास करेगी। वहीं विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी लंबित शिकायतों की जांच में भी तेजी आएगी।

रिटायर एआरटीओ के घर मिली थी 35 करोड़ की
चल-अचल संपत्ति

विजिलेंस ने मंगलवार बुधवार को लखनऊ में रिटायर एआरटीओ ललित कुमार के घर पर छापेमारी के दौरान 13 किलो सोना और 1.62 करोड़ रुपये नगद समेत 20 करोड़ की संपत्ति बरामद की थी। उनकी कुल 35 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति सामने आई थी, जिसका आगे की जांच में और बढ़ना तय माना जा रहा है। विजिलेंस ने छापेमारी में बरामद संपत्तियों के कई दस्तावेजों की अभी पड़ताल की जा रही है। छापेमारी में रिटायर एआरटीओ के पास इतनी संपत्ति मिलने पर जांच एजेंसी के अधिकारी भी हैरान थे। शासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे अन्य मामलों में कार्रवाई तेज किए जाने को कहा है।



जब्त होगा पासपोर्ट

आरोपी ललित कुमार का पासपोर्ट जब्त कराने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। जांच के दौरान उनके भाग निकलने की आशंका को देखते हुए पासपोर्ट जब्त कराने की कार्रवाई की जा रही है।

रिटायर
एआरटीओ की
लखनऊ में मिली
तीन और जमीनें

विजिलेंस की पड़ताल में रिटायर एआरटीओ ललित कुमार की और संपत्तियां सामने आनी शुरू हो गई हैं। जांच में उनकी लखनऊ में महोना, मोहनलालगंज में तीन और जमीन सामने आई है। तीनों कृषि भूमि हैं, जिनकी कीमत का आकलन कराया जा रहा है। कुछ अन्य संपत्तियों को लेकर भी पड़ताल की जा रही है। विजिलेंस ललित कुमार को जल्द नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब करेगी। बरामद संपत्तियों की खरीदने में खर्च रकम की तुलना में आय के पुख्ता साक्ष्य न देने पर रिटायर एआरटीओ को गिरफ्तारी हो सकती है। वहीं मामले में आयकर विभाग भी सोमवार को अपनी कार्रवाई शुरू कर सकता है।

'एक पेड़, मां के नाम' अभियान के तहत पुलिस लाइन में किया गया वृहद वृक्षारोपण

एजेंसी | भदोही

जनपद में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा ने पुलिस लाइन, ज्ञानपुर में वृहद वृक्षारोपण किया।



जनपद के सभी थाना परिसरों में भी
चला अभियान

इस अवसर पर पुलिस लाइन के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनपद भदोही के सभी थाना परिसरों, पुलिस कार्यालयों एवं अन्य पुलिस इकाइयों में भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना प्रभारियों एवं पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

छायादार एवं
फलदार पौधों का
रोपण

इस अवसर पर अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जन-जगत्सत्ता का संदेश दिया गया। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया गया।

पौधों के संरक्षण
पर दिया गया
विशेष जोर

अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षा एवं संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि

वे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण में प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सतत जिम्मेदारी है।

लखनऊ में साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़, नौ आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। ब्राइम ब्रांच और मंडिबय थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नौ साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से 50 एटीएम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और 53,100 रुपये नगद बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी साइबर ठगी से हासिल रकम को यूएसबीडी (क्रिप्टोकॉइन्स) में बदलकर चीनी

साइबर अपराधियों के डिजिटल वॉलेट तक पहुंचाते थे। डीसीपी नरेश गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि एनसीआरपी-जेएमआईएस पोर्टल पर संदिग्ध मूल अकाउंट्स की जांच के दौरान गिरोह का खुलासा हुआ। सबसे पहले मोहम्मद शाहरुख को गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर आईआरएम रोड क्षेत्र से आठ अन्य आरोपितों को पकड़ा गया।



भारत-ब्रिटेन एफटीए से निर्यातकों, एमएसएमई और पेशेवरों को मिलेगा लाभ : गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होने के बाद 15 जुलाई से भारत से ब्रिटेन भेजी जाने वाली सभी वस्तुओं पर आयात शुल्क शून्य हो जाएगा। इससे किसानों, मछुआरों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) तथा घरेलू उद्योगों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि यह समझौता भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई से भारत से ब्रिटेन निर्यात की जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे भारतीय उत्पाद ब्रिटिश बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम से विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, कृषि उत्पादों और मत्स्य उद्योग को नए बाजार और बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

भारतीय पेशेवरों को भी मिलेगा सीधा लाभ

गोयल ने कहा कि यह समझौता केवल वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रिटेन में कार्यरत हजारों भारतीय पेशेवरों के लिए भी लाभदायक होगा। समझौते में 'डबल कंटीन्यूशन कन्वेंशन' (डीसीसी) का प्रावधान शामिल किया गया है। इसके तहत ब्रिटेन में पांच वर्ष तक कार्य करने वाले भारतीय पेशेवरों को वहां की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में योगदान नहीं देना होगा। इससे उनकी आय का एक बड़ा हिस्सा बच सकेगा।

पीएफ खाते में जमा होगी बचत

मंत्री ने बताया कि अब तक भारतीय पेशेवरों के वेतन का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा ब्रिटेन की सामाजिक सुरक्षा योजना में जमा हो जाता था। नए प्रावधान के तहत यह राशि भारत में उनके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में जमा होगी। उन्होंने कहा कि इस राशि पर 8.25 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिलेगा और यह पूरी तरह कर-मुक्त होगी। इससे भारतीय पेशेवरों की सेवानिवृत्ति संबंधी बचत और अधिक सुरक्षित तथा लाभकारी बनेगी।



आर्थिक संबंध होंगे और मजबूत

गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को नई गति देगा। इससे भारतीय पेशेवरों, उद्यमियों और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे तथा द्विपक्षीय आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देते हुए कहा कि सरकार वैश्विक स्तर पर भारतीय कारोबार और पेशेवरों के

हितों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वह 14 और 15 जुलाई को ब्रसेल्स में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीपीसी) की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में लंबित व्यापारिक मुद्दों के समाधान, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य की साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी।

भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते पर तीसरे दौर की बातचीत पूरी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीडीपीए) पर तीसरे दौर की वार्ता 10 जुलाई को ओटावा में पूरी हो गई है। दोनों देशों ने इस समझौते पर 2026 के भीतर बातचीत पूरी करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वाणिज्य विभाग ने रविवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, "भारत और कनाडा ने 06 से 10 जुलाई के बीच ओटावा में भारत और कनाडा सीडीपीए के लिए बातचीत तीसरा चरण पूरा कर लिया है। वार्ता के दौरान कई स्तरों पर सकारात्मक प्रगति हुई है, जिससे दोनों देशों के नेताओं ने अपने साझा दृष्टिकोण के मुताबिक 2026 में बातचीत पूरी करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।" विभाग ने बताया कि दोनों देशों के बीच माल एवं सेवाओं का व्यापार, नौदिक संपदा,



मूल स्थान के नियम, स्वच्छता और पादप-स्वच्छता संबंधी उपाय तथा व्यापार में तकनीकी बाधाएं आदि मुद्दों पर पांच दिन तक वार्ता हुई। ये बातचीत इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि भारत और कनाडा ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वाणिज्य विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 8.22 फीसदी घटकर 7.95 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया,

जो वित्त वर्ष 2024-25 में 8.66 अरब अमेरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कनाडा को निर्यात 4.67 अरब डॉलर जबकि आयात 3.28 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि भारत से कनाडा को होने वाले प्रमुख निर्यात में दवाइयां, लौह एवं इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती परिधान, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं। वहीं, कनाडा से भारत मुख्य रूप से दालें, मोती एवं अर्द्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, कागज और कच्चे पेट्रोलियम का आयात करता है।

ईपीएफओ ने भविष्य निधि ट्रस्टों से एमनेस्टी स्कीम के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एमनेस्टी स्कीम प्रारंभ की है। यह उन कंपनियों के लिए एकमुश्त राहत का अवसर है जो अपना खुद का ट्रस्ट तो चला रही हैं, लेकिन उनके पास में सरकार का औपचारिक छूट नोटिफिकेशन नहीं है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने नियोक्ताओं, हितधारकों और आम जनता को इस योजना पर ध्यान देने की सलाह दी है, जो 6 महीने की अवधि के लिए खुली रहेगी। यह योजना अधिसूचना की तिथि से छह महीने की अवधि के लिए वैध है।



योजना की अधिसूचना 29 जून को जारी की गई थी। यह योजना उन प्रतिष्ठानों पर लागू होती है, जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट का

संचालन कर रहे हैं, लेकिन जिनके पास छूट से संबंधित अधिसूचना नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि वित्त अधिनियम, 2026 ने मान्यता प्राप्त भविष्य निधियों को नियंत्रित करने

वाले आयकर ढांचे को कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रावधानों के अनुरूप कर दिया है। आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत मान्यता केवल उन्हीं भविष्य निधियों को प्राप्त होगी जिन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत छूट प्राप्त की है। ऐसे प्रतिष्ठानों को अधिनियम की धारा 17 और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 143 के अंतर्गत पूर्वव्यापी प्रभाव से एमनेस्टी का लाभ प्रदान किया जाएगा।

घर, पढ़ाई और कारोबार के लिए सोना बेच रही नई पीढ़ी, बदल रही निवेश की सोच

मुंबई। कभी पारिवारिक विरासत और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक माना जाने वाला सोना अब नई पीढ़ी के लिए जीवन के बड़े लक्ष्यों को पूरा करने का साधन बनता जा रहा है। देशभर में बड़ी संख्या में युवा पुराने सोने के गहनों को बेचकर, बदलकर या पुनः उपयोग में लाकर घर खरीदने, उच्च शिक्षा हासिल करने, कारोबार शुरू करने और निवेश करने जैसे फैसले ले रहे हैं। मुंबई के एक युवा दंपती ने विरासत में मिली पारिवारिक ज्वेलरी बेचकर लगभग 20 लाख रुपये जुटाए और उस राशि का उपयोग अपने पहले घर की डाउन पेमेंट बढ़ाने में किया। इससे उनके गृह ऋण की मासिक किस्त में भी उल्लेखनीय कमी आई और आर्थिक बोझ हल्का हुआ।

लॉकर से निकलकर निवेश की ओर बढ़ रहा सोना

विशेषज्ञों का कहना है कि नई पीढ़ी सोने को केवल आभूषण के रूप में नहीं, बल्कि एक वित्तीय संपत्ति के रूप में देखने लगी है। युवा अब लॉकरों में वर्षों से रखे पुराने गहनों को बेचकर शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, व्यवसाय और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। मुथूकृष्ण एक्सचेंज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केतूर शाह के अनुसार, युवाओं के लिए अब जीवन के बड़े लक्ष्य अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं और पुरानी ज्वेलरी को केवल भावनात्मक नजरिए से नहीं देखा जा रहा।

देश में निष्क्रिय पड़ा है विशाल स्वर्ण भंडार

आभूषण उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बड़ी मात्रा में सोना घरों और बैंक लॉकरों में बिना उपयोग के पड़ा हुआ है। पॉपुली समूह के निदेशक राजीव पॉपली के अनुसार, उनके स्टोर पर आने वाले लगभग 70 से 75 प्रतिशत ग्राहक पुराने सोने के बदले नई ज्वेलरी खरीदना पसंद कर रहे हैं। इनका कहना है कि देश में एक लाख टन से अधिक सोना घरों और लॉकरों में सुरक्षित रखा गया है, लेकिन उसका बहुत छोटा हिस्सा ही अब तक पुनर्विक्रय की प्रक्रिया में शामिल हो पाया है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत में सोने के आभूषणों की मांग में कमी दर्ज की जा रही है, जबकि सोने में निवेश का रुझान बढ़ रहा है। आईसीआरए की एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में सोने के आभूषणों की मांग में गिरावट आई, जबकि सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश बढ़ा है।

मनमोहन सिंह को लेकर पूर्व सीईसी कुरैशी का बड़ा खुलासा

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने अपनी आगामी पुस्तक 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नोट ए मेमोरियर' में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा एक भावुक प्रसंग साझा किया है। कुरैशी के अनुसार, वर्ष 2012 में निर्वाचन आयोग को लेकर कुछ मंत्रियों की टिप्पणियों से नाराजगी जताने के बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उनसे मुलाकात में कहा था कि अगर आप ऐसा सोचते हैं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। उन्होंने यह भी कहा था कि निर्वाचन आयोग भारत के लोकतंत्र की आत्मा है और उसकी गरिमा हर हाल में बनी रहनी चाहिए।

प्रधानमंत्री तक पहुंची नाराजगी

किताब के मुताबिक, ईद के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुरैशी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के प्रेस सचिव इरीश खरे से अपनी नाराजगी साझा की। अगले ही दिन प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें फोन आया और शाम को प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात तय हुई।

'अगर ऐसा है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा...'

2012 के उत्तर प्रदेश चुनाव का है मामला

कुरैशी के अनुसार, जनवरी 2012 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनावी रैली में मुसलमानों के लिए नौकरियों में आरक्षण बढ़ाने का वादा किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के बाद आयोग ने सलमान खुर्शीद की निंदा की, जिसके बाद आयोग के खिलाफ राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई।

किताब में मनमोहन सिंह से जुड़ा भावुक प्रसंग

मुलाकात के बाद थम गई बयानबाजी

कुरैशी के अनुसार, इस मुलाकात के बाद उन्होंने पूरी घटना की जानकारी तत्कालीन प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव टी. के. ए. नायर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन को भी दी। इसके बाद निर्वाचन आयोग के खिलाफ हो रही राजनीतिक बयानबाजी स्वतः बंद हो गई। उन्होंने अपनी पुस्तक में लिखा है कि डॉ. मनमोहन सिंह उन विरले नेताओं में थे, जिन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और जिम्मेदारी को हमेशा सर्वोच्च महत्व दिया।

पूर्व मंत्री रवींद्रनाथ घोष बागी गुट में शामिल

ममता बनर्जी अभिषेक को सक्रिय राजनीति से हटाएं, तभी लौटेंगे : घोष

एजेंसी | कूचबिहार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अंदरूनी कलह लगातार बढ़ती जा रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर बंगाल विकास विभाग के पूर्व मंत्री रवींद्रनाथ घोष ने रविवार को बागी नेता ऋतव्रत बनर्जी के गुट का दामन थाम लिया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को फिलहाल सक्रिय राजनीति से अलग कर दें, तो पार्टी छोड़ चुके अधिकांश नेता और कार्यकर्ता वापस टीएमसी में लौट सकते हैं। रवींद्रनाथ घोष का यह फैसला कूचबिहार में टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बागी गुट उन्हें कूचबिहार जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी दे सकता है।

रवींद्रनाथ घोष ने विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के लिए अभिषेक बनर्जी और चुनावी रणनीतिकार संस्था आई-पेक को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अभिषेक के फैसलों की वजह से पार्टी को भारी नुकसान हुआ। रवींद्रनाथ घोष ने आरोप लगाया कि 80 से अधिक मौजूदा विधायकों और मंत्रियों के टिकट काट दिए गए और कई नेताओं को संगठन से भी हटा दिया गया। इससे कार्यकर्ताओं और नेताओं में नाराजगी बढ़ी, जिसका असर चुनाव परिणामों पर पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

सहारा मामले में आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 13 जुलाई को भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के उस फैसले के एक हिस्से को चुनौती दी गई है, जिसमें सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) के प्रबंधकों और कंपनी सचिव को राहत दी गई है। सेबी की याचिका के अलावा, शीर्ष अदालत ने सहारा समूह से जुड़े सभी संबंधित मामलों, जिनमें निवेशकों के घन की वापसी का मामला भी शामिल है, को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

छह हत्याओं के आरोपी की तलाश में 12 टीमें गठित

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने रंगारेड्डी जिले में छह लोगों की हत्या करने के आरोपी को पकड़ने के लिए 12 टीमें गठित की हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामले में आरोपी पी. राजकुमार ने शुक्रवार रात अपनी पत्नी, दो बच्चों, और उसके खिलाफ शिकायत दायर करने वाले एक परिवार के तीन सदस्यों समेत कुल छह लोगों की कथित तौर पर हत्या कर दी थी। पयुवर सिटी पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने बताया कि आरोपी के दोस्तों और रिश्तेदारों समेत विभिन्न लोगों से अब तक जुटाई गई जानकारीयों और सुरागों के आधार पर पुलिस विभिन्न स्थानों पर आरोपी की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 12 टीम बनाई हैं और आरोपी का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है।

तमिल अभिनेता आर्या के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद। तमिल अभिनेता आर्या के खिलाफ हैदराबाद की एक कंपनी के 1.8 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया नहीं चुकाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह कंपनी फिल्म की शूटिंग के लिए साजो-सामान उपलब्ध कराती है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ताहरु सिने टेक्निक के एक अधिकारी ने 10 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि आर्या और 'अनंतन काडू' फिल्म बनाने वाले स्टूडियो के प्रतिनिधियों ने फिल्म के लिए साजो-सामान लेने के लिए कंपनी से संपर्क किया था।

महिला सहायता डेस्क पर साढ़े तीन साल में 2.31 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज

एजेंसी | चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के थानों में स्थापित महिला सहायता डेस्क के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित 2.31 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि इस पहल से पुलिस थाने अधिक सुलभ और महिलाओं के अनुकूल बने हैं।

424 थानों में स्थापित हैं महिला सहायता डेस्क

आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजाब पुलिस ने 39 विशेष प्रोजेक्ट थानों सहित राज्य के सभी 424 पुलिस थानों में महिला सहायता डेस्क स्थापित की हैं। इन डेस्क के शुरू होने के बाद से महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों की कुल 2,31,677 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

पीजीडी पोर्टल पर दर्ज हुई 1.33 लाख शिकायतें

एक जनवरी 2023 से 30 जून 2026 के बीच पंजाब शिकायत निवारण (पीजीडी) पोर्टल पर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित 1,33,152 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 99,692 शिकायतें पंजाब पुलिस महिला मित्र (पीपीएमएम) को सौंपी गईं, जिनका सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया।

महिला मित्रों को मिले 93 इलेक्ट्रिक स्कूटर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महिला मित्र पहल और महिला सहायता डेस्क में कार्यरत महिला पुलिसकर्मियों के लिए 93 इलेक्ट्रिक स्कूटरों को मंजूरी दी है। हाल ही में डीजीपी गौरव यादव ने इन स्कूटरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि महिलाओं और बच्चों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

848 महिला मित्र कर रहीं सेवाएं

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि राज्य के सभी 424 पुलिस थानों में 848 पंजाब पुलिस महिला मित्र तैनात हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से महिलाओं की पुलिस सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है, लेकिन संवेदनशील पुलिस व्यवस्था को मजबूती मिली है और जनता का पुलिस पर विश्वास बढ़ा है।

24 जुलाई को दिल्ली में जुटेंगे कई संगठनों के प्रतिनिधि

क्या देश के मुसलमानों के लिए चुनाव बहिष्कार और सरकार से पूरी तरह से असहयोग करने का समय आ गया है? इस सवाल पर देश भर के मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि और सांसद 24 जुलाई को राजधानी दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में मंथन करेंगे। पूर्व राज्यसभा सांसद मो. अदीब की अगुवाई वाले इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स (आईएमसीआर) संगठन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सौ से अधिक मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि- विभिन्न दलों के मुस्लिम सांसद हिस्सा लेंगे।

बैठक में कौन से मुद्दों पर होगी चर्चा

बैठक में उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मस्जिदों-मदरसों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई, उत्तराखंड समेत अलग-अलग राज्यों में लाई जा रही समान नागरिक संहिता (यूसीसी), मॉब लिंगिंग, चुनाव आयोग की मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) जैसे मुद्दे पर चर्चा होगी। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी, सांसद मोहिबुल्ला नदवी, जमीयत उलेमा ए हिंद के मुखिया अरशद मदनी, महमूद मदनी, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमाअत ए इस्लामी जैसे मुस्लिम संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की बस कांगड़ा में पलटी, 17 घायल

चार यात्रियों की हालत गंभीर, टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर

एजेंसी | कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रविवार देर रात अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर डमटाल थाना क्षेत्र के मोहटली रैप के समीप टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में 17 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, टांडा रेफर किया गया है। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख व्यक्त किया है।

कटड़ा से देहरादून जा रही थी बस

पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी हॉलीडेज की यह टूरिस्ट बस जम्मू-कश्मीर के कटड़ा से उत्तराखंड के देहरादून जा रही थी। रविवार देर रात डमटाल क्षेत्र में पहुंचने पर चालक बस से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद वाहन पलट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग सहायता के लिए दौड़ पड़े।

स्थानीय लोगों ने शुरू किया राहत कार्य

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के पहुंचने से पहले ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को बस से सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

विश्वविद्यालय की एंबुलेंस भी पहुंची मदद के लिए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय अर्ली विश्वविद्यालय के चॉसलर डॉ. विवेक सिंह भी उसी मार्ग से गुजर रहे थे। उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाकर सहयोगियों के साथ राहत कार्य में हिस्सा लिया। उनके निर्देश पर विश्वविद्यालय की एंबुलेंस और चिकित्सकीय टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।

चालक और परिचालक फरार, जांच जारी

दुर्घटना के बाद बस चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हादसा तकनीकी खराबी, चालक की लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। डमटाल थाना पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि 'सेवाश्रय' स्वास्थ्य शिविर में इलाज के दौरान हुई लापरवाही के कारण उसका एक पैर काटना पड़ा। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर अभिषेक बनर्जी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला ?

दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला की रहने वाली मालती विश्वास ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले वह घुटने के दर्द की शिकायत लेकर अपने इलाके में लगे सेवाश्रय स्वास्थ्य शिविर में गई थीं। वहां डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दवाएं दीं, जिन्हें उन्होंने लेना शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि दवाएं लेने के बाद उनकी हालत सुधरने के बजाय और बिगड़ गई। इसके बाद वह एक अन्य सेवाश्रय स्वास्थ्य शिविर में पहुंची। शिकायत के मुताबिक, वहां मौजूद डॉक्टरों ने इलाज के लिए उनसे बड़ी रकम की मांग की।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जून में खुदरा महंगाई 4.2% रहने का अनुमान

16 माह बाद तय दायरा तोड़ सकती है खुदरा महंगाई

एजेंसी | नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों और खाद्य पदार्थों के महंगा होने से जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.2 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है। अगर ऐसा होता है तो करीब 18 महीनों में यह पहली बार होगा, जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार फीसदी के तय लक्ष्य को पार कर जाएगी। 18 अर्थशास्त्रियों ने अनुमान बताया है कि मई में 3.9% पर रहने के बाद जून 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर बढ़कर 4.2% हो जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी है। मई के दूसरे पखवाड़े में ईंधन के दाम कई बार बढ़ाए गए थे। मई के आंकड़ों में इसका आंशिक असर ही शामिल हुआ था, जबकि जून में पूरे महीने का प्रभाव दिखाई देगा।

खाद्य महंगाई की भी चिंता

खाद्य महंगाई भी चिंता का कारण बनी हुई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी लगभग 35 फीसदी है। सजियॉ, अनाज और अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। सर्वे में कहा गया है कि अल नोनी की वजह से मानसून की असमान प्रगति और सामान्य से बारिश कम होने पर जून-सितंबर के दौरान फसल उत्पादन को बाधित होता है तो आने वाले समय में खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

अगस्त में व्याज दरों में बदलाव की उम्मीद कम

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आरबीआई अगस्त की मौद्रिक नीति बैठक में व्याज दरों में बदलाव नहीं करेगा। केंद्रीय बैंक पहले मानसून की स्थिति, खाद्य महंगाई और वैश्विक ऊर्जा कीमतों का असर देखना चाहेगा। 2026-27 के लिए औसत खुदरा महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान बताया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक बाजार में कमोडिटी बाधाएं और उत्पादन लागत बढ़ने से आगे महंगाई पर दबाव बना रह सकता है।

जनवरी से लागू हो चुका है नया आधार वर्ष

खुदरा महंगाई के ताजा आंकड़े नए आधार वर्ष और अपडेटेड कंप्यूटर बास्केट के साथ अपनी संशोधित सूचकांक पर आधारित होते हैं। नई श्रृंखला शुरू होने के बाद से जून में आने वाले महंगाई आंकड़े सबसे अधिक होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के महीनों में खाद्य, ईंधन और चुनिंदा सेवा क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव से खुदरा महंगाई का आंकड़ा बढ़ रहा है। वैश्विक बाजार में कमोडिटी और ऊर्जा की लागत लगातार बढ़ रही है, जिसका असर भारतीय महंगाई पर भी दिख रहा है।